हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-142, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, मंगलवार 05 नवम्बर 2024

पेराई सत्र 2024-25 हेतु विधि विधान से हुआ चीनी मिल के ड़ोंगे...02

दस माह बीत गए नहीं दे सका सूचना अधिकार अधिनियम...06

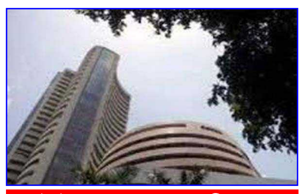

सेंसेक्स 941 अंक गिरकर 78,782 पर बंद

पेट्रोल-डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं

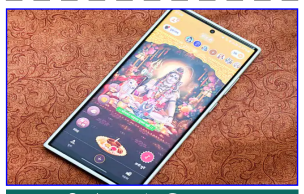

स्मार्टफोन से हिंदू आस्था का डिजिटल उदय

संक्षिप्त समाचार

बेअंत हत्याकांडः बब्बर खालसा सदस्य राजोआना को नहीं मिली राहत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य की करीब 29 साल पहले हुई हत्या के मामले में मौत की सजा पाए प्रतिबंधित बब्बर खालसा सदस्य 57 वर्षीय राजोआना को अंतरिम राहत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने करीब तीन दशकों से जेल में बंद राजोआना को राहत देने से मना कर दिया तथा इस मामले में पंजाब सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए और दो सप्ताह का समय दिया।

भाजपा नेता बीबी त्यागी ने थामा आप का दामन

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीबी त्यागी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दो बार के भाजपा से पार्षद, निगम में स्थाई समिति के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके बीबी त्यागी को आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि बीबी त्यागी का आप परिवार में स्वागत है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं से बात की

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार यह बैठक द प्रेसिडेंट विद द पीपल पहल के तहत हुई जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि देश के नागरिक विमानन क्षेत्र में विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

यूपी कैबिनेट बैठक

अब पांच के बजाए तीन साल में हो सकेगा शिक्षकों का तबादला

लखनऊ, संवाददाता।

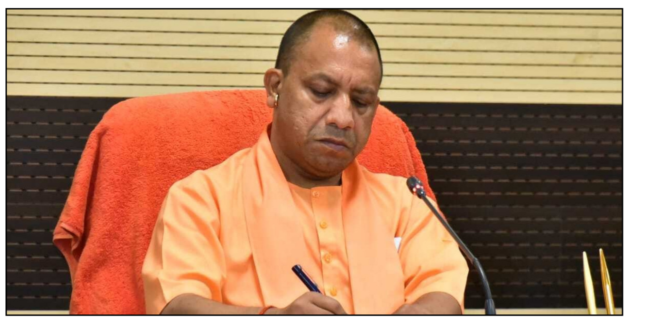

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर निर्णय लिया गया। शिक्षक अब पांच वर्ष की न्यूनतम सेवा की जगह सिर्फ तीन साल बाद ही स्थानांतरण करवा सकेंगे। बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक में पशु चिकित्सा के क्षेत्र में पैरावेट के लिए डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए भी नीति को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश सरकार ने नई शीरा नीति को मंजूरी दे दी है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार की तरह देसी मदिरा के लिए 19 फीसद शीरा मुहैया कराया जाएगा। चीनी मिलों को 20 रुपए कुंतल विनियामक शुल्क देना होगा। लघु उद्योगों को भी शीरा मुहैया कराने की व्यवस्था है।

27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

कैबिनेट ने इन प्रस्तावों पर दी मंजूरी- फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट (एफडीआई) और फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश के लिए प्रोत्साहन नीति - 2023 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति - 2000 के अंतर्गत मेसर्स पैजट इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड को वित्तीय प्रोत्साहनों की स्वीकृति दी गई है। उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट्स रूल्स 1961 में संशोधन किया गया है। बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केंद्र की स्थापना हेतु ग्राम हरिया खेड़ा, परगना बागपत तहसील व जिला बागपत की ग्राम सभा की 1.0690 हेक्टेअर भूमि पर्यटन विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने को मंजूरी। प्रदेश की प्राचीन धरोहर भवनों को एडॉप्टिव रि-यूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता मॉडल पर हेरिटेज पर्यटन इकाईयों के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में परापशुचिकत्सा के क्षेत्र में पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, डिप्लोमा कोर्स, सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जाने को मंजूरी। यूपी में विश्व बैंक की सहायता से उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट क्रियान्वित किया जाएगा। प्रदेश में केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत केन नहर प्रणाली के पुनरोधार की परियोजना पर व्यय वित्त समिति की बैठक द्वारा 1191 करोड़ के व्यय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

गुजरात में मध्य प्रदेश के 4 बच्चों की मौत

अमरेली, एजेंसी। गुजरात में अमरेली तालुका के रंधिया गांव में कार में दम घुटने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। चारों बच्चे कार में खेल रहे थे। इसी दौरान कार का गेट लॉक हो गया। गेट नहीं खुलने के चलते दम घुटने से बच्चों की मौत हो गई। परिवार मध्य प्रदेश के धार जिले का रहने वाला है और अमरेली में मजदूरी करता है। गांव वालों से मिली जानकारी के मुताबिक चारों बच्चों के माता-पिता कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश के धार से अमरेली के रंधिया गांव गए थे। माता-पिता रोजाना की तरह दूसरी जगह मजदूरी करने गए हुए थे। चारों बच्चे (2 बेटियां और 2 बेटे) कार के पास ही खेल रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। डीवाईएपी चिराग देसाई ने बताया कि बच्चों में से एक के हाथ मकान मालिक भरतभाई मंदानी की कार की चाबी लग गई थी। इसी से बच्चों ने कार का गेट खोला और कार के अंदर ही खेलने लगे। इसी दौरान कार लॉक हो गई। शाम तक किसी की भी बच्चों पर नजर नहीं पड़ी।

उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल की 14 सीटों पर उपचुनाव अब 20 नवंबर को

नयी दिल्ली, एजेंसी।

चुनाव आयोग ने केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 14 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव 13 की जगह 20 नवंबर को कराने की सोमवार को घोषणा की। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें केरल की पलक्कड़, पंजाब की डेरा बाबानानक, चब्बेवाल (सुरक्षित), गिद्दरबाहा, बरनाला और उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुण्डरकी, गाजियाबाद, खैर (सुरक्षित), करहल, सीसा मऊ, फूलपुर, कटिहारी, मझवां सीट शामिल हैं। आयोग ने कहा है कि उसने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अनुरोध पर यह फैसला किया है। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इन दलों ने 13 नवंबर को सम्बंधित क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की व्यस्तता के आधार पर चुनाव तिथि बदलने का अनुरोध किया था। इन सीटों के उपचुनाव की मतगणना 20 नवंबर को कराई जायेगी और चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक संपन्न करा ली जायेगी। आयोग ने कहा है कि इन सीटों पर चुनाव कार्यक्रम की अन्य तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 अक्टूबर को 15 राज्यों में 48 विधानसभा और दो लोक सभा सीटों के लिये उपचुनाव कराने की घोषणा की थी। कार्यक्रम के अनुसार महाराष्ट्र की नान्देड़ संसदीय सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ सीट को छोड़ कर इन सभी सीटों के उपचुनाव में मतदान 13 नवंबर को कराने का कार्यक्रम था। आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) जैसी पार्टियों और सामाजिक संगठनों के अनुरोध पर तीन राज्यों की 14 सीटों पर मतदान की तिथि बदल दी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा, भाजपा झारखंड में चार गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है

झारखंड, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के पहले फेज में होने वाली 43 सीटों पर चुनाव के लिए गढ़वा और चाईबासा में दो रैलियां की। पहली रैली गढ़वा में की। जो आजादी के बाद गढ़वा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री की चुनावी सभा थी। मोदी की दूसरी सभा चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में की। यहां उन्होंने अपना पूरा भाषण आदिवासियों पर फोकस रखा। प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ लोग जो यहां बैठे हैं वो कहते थे हमारी छाती पर झारखंड बनेगा। उनकी छाती पर झारखंड बन गया, लेकिन झारखंड के कुछ नेता उनकी गोदी में जाकर बैठ गए। पीएम का इशारा लालू प्रसाद यादव और हेमंत सोरेन पर था। मोदी ने हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना उनके और उनके मंत्रियों के भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मंत्री, विधायक हर कोई भ्रष्टाचार में शामिल है। एक मंत्री के घर से नोटों का पहाड़ निकला। मैंने भी पहली बार नोटों का पहाड़ टीवी पर देखा। मोदी ने परिवारवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- जेएमएम, राजद और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां घोर परिवारवादी हैं। ये चाहती हैं कि सत्ता की चाबी हमारे परिवार के हाथ में ही रहे। हालांकि खुद भाजपा ने इस बार 68 में से 18 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिया है। वहीं इंडिया ब्लॉक ने 20 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को उतारा है। मोदी बोले- झारखंड बीजेपी का संकल्प पत्र रोटी, बेटी और माटी के सम्मान और सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए इसमें अनेक संकल्प लिए गए हैं। गोगो दीदी योजना- इसमें हर महीने माताओं बहनों को 2100 रुपए मिलेंगे।

बुधनी विधानसभा उपचुनाव में दिग्विजय करेंगे प्रचार

बुधनी, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बुधनी विधानसभा उपचुनाव में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पार्टी प्रत्याशी राजकुमार पटेल के पक्ष में मंगलवार को प्रचार करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के भैरुंदा में मंगलवार को चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वे झाली, आमा सुआपानी, भिलाई, भैसांद अमीरगंज और आसपास के क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाएं करेंगे। बुधनी में मुख्य मुकाबला भाजपा के रमाकांत भार्गव और कांग्रेस के श्री पटेल के बीच है। मतदान तेरह नवंबर को होगा। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विधायक पद से त्यागपत्र के कारण बुधनी सीट रिक्त हुयी है।

उत्तराखंड में बस हादसा, 36 की मौत, 6 घायल

कंडम बस में 42 लोग सवार थे, मोड़ पर अनियंत्रित होकर 150 फीट गहरी खाई में गिरी

अल्मोड़ा, एजेंसी।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार सुबह 8 बजे एक यात्री बस 150 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हैं। हादसा अल्मोड़ा में कूपी के पास हुआ। बस में 42 यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। हादसे की वजह का पता नहीं चला है। बस मोड़ पर अनियंत्रित होकर गिर गई। कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बताया, बस नदी से करीब 10 फीट पहले पेड़ में फंसकर रुक गई। खाई में गिरने के दौरान झटके से कई यात्री खिड़कियों से बाहर जा गिरे। बस किनाथ से रामनगर जा रही थी। दिवाली की छुट्टी के बाद सोमवार को पहला वर्किंग डे था। इसलिए बस पूरी भरी हुई थी। ज्यादातर स्थानीय लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि बस गढ़वाल मोटर्स ओनर्स यूनियन लिमिटेड की थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि बस की हालत बेहद खराब थी। पुष्कर सिंह धामी ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख और घायलों को 1-1 लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए। पौड़ी और अल्मोड़ा के एआरटीओ प्रवर्तन को सस्पेंड कर दिया गया है। घायलों को अभी रामनगर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहां से गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट करके हल्द्वानी शिफ्ट किया जाएगा। कुछ घायलों को ऋषिकेश एम्स में भेजा गया है। वहीं, एक्सपर्ट डॉक्टरों की एक टीम भी हेलिकॉप्टर से रामनगर हॉस्पिटल भेजी गई है। हादसे के बाद सीएम धामी और सांसद अनिल बलूनी उत्तराखंड के लिए रवाना हो गए। वह दिल्ली में भाजपा की एक बड़ी बैठक में शामिल होने के लिए गए थे। इधर, कमिश्नर दीपक रावत ने बताया- 4 गंभीर घायलों को हेलिकॉप्टर से एम्स में भर्ती कराया गया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र में हंगामा

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा सत्र का पहला दिन हंगामे के साथ शुरू हुआ। दरअसल, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वाहिद पारा ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को खत्म करने के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसके विरोध में भाजपा विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया। कुछ विधायक वेल में भी पहुंच गए। इस पर स्पीकर रहीम अब्दुल राथर ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। मुख्यमंत्री उमार अब्दुल्ला ने कहा कि, सदन 370 पर कैसे चर्चा करेगा। इसका फैसला कोई एक सदस्य नहीं लेगा। आज लाए गए प्रस्ताव का कोई महत्व नहीं है। अगर इसके पीछे कोई उद्देश्य होता, तो पीडीपी के विधायक पहले हमसे इस पर चर्चा करते। अब्दुल्ला ने कहा- भाजपा से अनुच्छेद 370 को बहाल करने की उम्मीद करना मूर्खता है। हमें पता था कि 370 पर एक प्रस्ताव आने वाला है। वास्तविकता यह है कि जम्मू-कश्मीर के लोग केंद्र सरकार के 5 अगस्त, 2019 को लिए गए निर्णय को स्वीकार नहीं करते हैं। अगर उन्होंने इसे स्वीकार किया होता, तो आज परिणाम अलग होते। हंगामे से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के सीनियर विधायक अब्दुल रहीम राथर को स्पीकर पद के लिए चुन लिया गया है। प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने राथर के नाम का प्रस्ताव पेश किया, जो पास भी हो गया है। राथर सातवीं बार विधायक बने हैं और केंद्र शासित प्रदेश की पहली विधानसभा में सबसे उम्रदराज विधायक हैं। रविवार को ष्टरू उमर अब्दुल्ला ने विधायक दल की बैठक बुलाई थी।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल, दिल्ली में पटाखे क्यों चले

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के दौरान दिल्ली में कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होने पर दिल्ली सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सुओ-मोटो एक्शन लेते हुए कहा कि राज्य में पटाखों पर बैन का मुश्किल से ही पालन हो सका। कोर्ट ने कहा कि कुछ ऐसा करना होगा ताकि अगले साल दिवाली के दौरान पटाखों पर प्रतिबंध के आदेशों का उल्लंघन न हो। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि बैन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कैंपस सील करने जैसी सख्त कार्रवाई की जरूरत है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त से पटाखों पर प्रतिबंध लागू करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी। पराली पर पंजाब-हरियाणा से भी मांगा जवाब सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी ने बताया कि दिवाली के समय खेतों में आग लगने की घटनाएं बहुत ज्यादा होती हैं। दिवाली से एक दिन पहले 160 खेतों में आग लगी थी, जबकि दिवाली के दिन यह संख्या 605 हो गई। प्रदूषण का प्रतिशत 10 से बढ़कर लगभग 30 हो गया था। बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से अक्टूबर के आखिरी 10 दिनों के दौरान खेतों में आग लगने और पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने पर 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार हलफनामा दाखिल करते समय यह भी बताएगी कि क्या राज्य की सीमा के भीतर खेतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री बोले- हवा की कम स्पीड प्रदूषण के लिए जिम्मेदार इधर, सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हवा की कम गति के कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है।

➲ सरकार-पुलिस एक हफ्ते में बताए- बैन क्यों नहीं रहा, अगली दिवाली के लिए क्या प्लान

भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है :धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, इसे समावेशी बनाने और 'अंत्योदय' से प्रेरित होने पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है। श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है। औपनिवेशिक विचारों को चुनौती दी रही है। उन्होंने कहा, भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए जो औपनिवेशिक मानसिकता से दूर हो और स्वतंत्रता के बाद हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि अब पहले के औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'किंग्स वे' अब 'कर्त्तव्य पथ' बन गया है और 'रेस कोर्स रोड' 'लोक कल्याण मार्ग' बन गया है। नेताजी अब उस छत्र पर खड़े हैं जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया। औपनिवेशिक काल के 1500 कानून अब कानून की किताब में नहीं हैं। नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - ने भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी बदलाव है कि 'दंड' संहिता अब 'न्याय' संहिता बन गई है, जो पीड़ितों के हितों की रक्षा करने, अभियोजन को कुशलतापूर्वक चलाने और कई अन्य पहलुओं के लिए सुधार ला रही है।

आगरा में एयरफोर्स का मिग-29 विमान क्रैश

ग्वालियर से उड़ान भरी, जमीन पर गिरते ही आग लगी, दोनों पायलट इजेक्ट हुए

आगरा, एजेंसी। आगरा में सोमवार को एयरफोर्स का मिग-29 एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। पलक झपकते ही आग का गोला बना विमान खेत में जा गिरा। हादसा शाम करीब 4 बजे हुआ। जमीन पर एयरक्राफ्ट गिरने के साथ ही विस्फोट भी होने लगे। हादसे के वक्त विमान में 2 पायलट थे। दोनों आग लगने से चंद सेकंड पहले ही पैराशूट की मदद से (इजेक्ट सिस्टम) विमान से कूदकर बाहर निकल आए। विमान कागारौल के सोंगा गांव के पास खाली खेत में गिरा है। एयरफोर्स ने विमान हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब के इस फाइटर प्लेन ने ग्वालियर से उड़ान भरी थी। रूटीन एक्सरसाइज के लिए आगरा जा रहा था। हादसे की कोर्ट ऑफ इंक्वारी के आदेश दिए गए हैं। ग्रामीणों ने हादसे के तुरंत बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंच गई है। एयरफोर्स के अफसर, डीएम और पुलिस फोर्स भी मौके पर है। अभी जहां विमान गिरा है, वहां आसपास के गांव वाले इकट्ठा हैं। फाइटर जेल आग में घिरा हुआ खेतों में आकर गिरा। तब तक गांव के लोग भी इस स्पॉट की तरफ दौड़ आए।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों का हमला, लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं को मारा

पुलिस ने भी मारपीट की, भारत बोला- कनाडा सरकार एक्शन ले

कनाडा में पहले भी हो चुके हैं हिंदू मंदिरों पर हमले

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे।

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रैम्पटन में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस घटना की कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है।

भारत का आरोप- वोट बैंक के लिए भारत विरोधी राजनीति कर रहे पीएम ट्रूडो

भारत और कनाडा के बीच संबंधों में एक साल से भी ज्यादा समय से गिरावट देखी गई है। इसकी शुरुआत जून 2020 में खालिस्तानी समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद हुई। पिछले साल सितंबर में पीएम ट्रूडो ने संसद में आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसी का हाथ है। इसके बाद ट्रूडो ने पिछले महीने 13 अक्टूबर निज्जर हत्याकांड में भारतीय राजनयिकों के शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत ने संजय वर्मा समेत अपने छह राजनयिकों को वापस बुला लिया। भारत का कहना है कि कनाडा सरकार के आरोप बेबुनियाद हैं। कनाडा ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। वे बिना तथ्य के दावे कर रहे हैं। ट्रूडो सरकार राजनीतिक लाभ उठाने के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम करने की कोशिश में जुटी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि पीएम ट्रूडो की भारत से दुश्मनी लंबे समय से जारी है।

पेराई सत्र 2024-25 हेतु विधि विधान से हुआ चीनी मिल के ड़ोंगे का पूजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले की आदर्श नगर पंचायत हरगांव कस्बे में स्थित चीनी मिल अवध शुगर एण्ड एनर्जी लि. हरगांव में नवीन पेराई सत्र 2024-25 के लिए सोमवार को शुभ मुहूर्त में विधि विधान से पूजन समारोह आयोजित किया गया।मिल का पेराई सत्र मंगलवार को शुरू होगा। मिल के अधिशाषी अध्यक्ष ए के दीक्षित व गणेश लक्ष्मी व डोंगें का विधि विधान से पूजन किया।बिड़ला मन्दिर के प्रधान पुजारी पण्डित जगदीश चन्द्र जोशी तथा पण्डित शत्रुंजय बाजपेई द्वारा द्वारा वैदिक मंत्रोचारों के बीच राज्यमंत्री सुरेश राही,विधायक महोली शशांक त्रिवेदी, विधायक लखीमपुर सदर योगेश वर्मा, विधायक श्रीनगर श्रीमती मंजू त्यागी तथा अधिशाषी अध्यक्ष ए के दीक्षित, अधिशाषी उपाध्यक्ष शूरवीर सिंह,अधिशाषी उपाध्यक्ष गन्ना शरद सिंह, अधिशाषी उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार, आनन्द गुप्ता,राकेश त्यागी, अनिल शर्मा तथा अन्य जन प्रतिनिधियों एवं मिल अधिकारियों ने शुभ मुहूर्त में पूजन अर्चन एवं आरती कर मिल के डोंगे में नारियल फोड़कर गन्ना डाला। परम्परा अनुसार मिल के अंदर लगी समस्त मशीनों का पूजन भी किया गया। इस अवसर पर अधिशाषी अध्यक्ष ने कहा नवीन पेराई सत्र 2024 -25 के लिए शुभ मुहूर्त में पूजन आज किया गया है मंगलवार को बैलगाड़ियों का पूजन करके मिल सुबह आठ चला दी जाएगी। उन्होंने भारी संख्या मे आए हुए किसानों व जन प्रति निधियों को पेराई सत्र की शुभकामनाएं देते हुए शरदकालीन गन्ना बुवाई विधि के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा कहा कृषक बन्धु मिल में साफ सुथरा अगोला रहित गन्ना पर्ची के अनुसार आपूर्ति करें और उचित दामों में गन्ना न इधर उधर न बेंचें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सहकारी गन्ना विकास समिति लि. हरगांव के सचिव अनन्द प्रकाश दुबे क्षेत्र पंचायत सदस्य/प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष गफ्फार खां, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रेम सुंदर अवस्थी हरगांव समिति चेयरमैन प्रतिनिधि दिनेश मिश्र, सीतापुर समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि भंवर सिंह,ऐरा समिति अध्यक्ष राजीव सिंह,अरनीखाना समिति अध्यक्ष अशोक अवस्थी, फरधान समिति अध्यक्ष अतुल प्रकाश निवर्तमान अध्यक्ष हरीश मिश्र,जे एन सिंह, प्रशांत मिश्र निवर्तमान संचालक महेन्द्र दत्त मिश्र, पिंकू मिश्र सहित भारी संख्या में अधिकारी कर्मचारी व किसान मौजूद थे।

बिजली विभाग की लापर वाही के चलते खेतों में झूल रहे एचटी लाइन के तार दे रहे मौत को दावत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के हरगांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव के पास लगे ट्रांसफार्मर के पास एक खेत में एच टी लाइन के तार बिजली विभाग की उदासीनता के चलते ढीले होकर तार मात्र चार फुट पर लटकर मौत को दावत देने का कार्य कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार हरगांव थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम भटपुरवा के पास बिजली विभाग का एक ट्रांसफार्मर हरगांव दतेली मार्ग पर सड़क के किनारे लगा हुआ है।उक्त ट्रांसफार्मर में आने वाली ग्यारह हजार की एच टी लाइन के तार पास के खेत में मात्र चार फिट पर लटक रहे है।जिससे किसी भी समय कोई भी दुर्घटना घट सकती है बिजली विभाग के अन्तर्गत 33/11के वी उपकेंद्र विद्युत विभाग हरगांव के एसडीओ विनीत वर्मा सहित तत्कालीन उप खण्ड अधिकारी (एसडीओ) रामाज्ञा से कई बार इसकी शिकायत की गई। परन्तु अधिकारियों सहित विद्युत विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी इन अधिकारियों को इंतजार शायद किसी बड़े हादसे का है एच टी लाइन के तार लगभग तीन वर्ष से ऐसे ही झूल रहे है। कई बार समाचारपत्रों में इसका प्रकाशन भी हो चुका है।मगर विद्युत विभाग के अधिकारियों की कुंभकर्णी नींद है कि टूटती ही नहीं।

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की जांच 05 नवम्बर को: सौम्या गुरुरानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने बताया है कि जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार ब्लाक कोथावां के ग्राम मैनगांव के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय को एक ही परिसर में बनाये जाने संबंधी जांच 05 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे उनके द्वारा की जायेगी। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये है कि जांच के दौरान आख्यावधिक सूचनाओं सहित समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

निरीक्षक बनने पर एसपी नीरज कुमार जादौन ने स्टार लगाकर दी बधाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। जिले में तैनात पांच उप निरीक्षक पदोन्नति पाकर निरीक्षक बने हैं। एसपी नीरज कुमार जादौन ने निरीक्षक बनने पर उन्हें बधाई दी। पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश द्वारा जारी की गई पदोन्नति सूची में जनपद हरदोई से पांच उपनिरीक्षक को निरीक्षक पद पर प्रोन्नति दी गई है। निरीक्षक के पद पर पदोन्नत होने वाले उप निरीक्षकों में विनोद कुमार मिश्रा, अरविंद कुमार यादव, विजय नारायण शुक्ला, शिवपाल सिंह यादव व सूरज पाल सिंह शामिल हैं। सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में एसपी नीरज कुमार जादौन व एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने जनपद के प्रोन्नति पाए सभी उपनिरीक्षकों को बधाई दी और भविष्य में पूर्ण मनोयोग से कार्य करने की कामना की। इस अवसर पर एसपी जादौन ने कहा कि इस प्रोन्नति प्रक्रिया से निश्चित रूप से पुलिस का मनोबल बढ़ेगा और अधिक मनोयोग से कार्य करेंगे। इस दौरान रिजर्व पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी से की छेड़छाड़

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

शाहबाद/हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सौतेले पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ गलत नियत से छेड़छाड कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को हिरासत में लिया है। क्षेत्राधिकारी शाहाबाद अनुज मिश्रा ने बताया कि थाना शाहाबाद क्षेत्र का रहने वाला एक व्यक्ति अपनी दूसरी पत्नी व सौतेली बेटी के साथ नोएडा में रहकर मजदूरी करता है। 3 नवंबर को वह अपने बीमार भाई को देखने अपनी सौतेली बेटी के साथ गांव आया हुआ था। इसके द्वारा अपनी बेटी के साथ छेड़छाड करने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर सौतेले पिता को हिरासत में लिया गया। मामले में अन्य आवश्यक कार्रवाई प्रचलित है।

गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर हुये लाठीचार्ज के विरोध में टैक्स बार एसोसिएशन मैनपुरी द्वारा कार्य बहिष्कार कर अपर जिलाधिकारी न्यायिक को सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। टैक्स बार एसोसिएशन मैनपुरी द्वारा द उत्तर प्रदेश टैक्सबार एसोसिएशन गाजियाबाद में अधिवक्ताओं पर हुये लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को कार्य बहिष्कार किया। अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी न्यायिक नवीन श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। यूपी टैक्स बार एसोसिएशन के प्रांतीय सदस्य राजीव कुलश्रेष्ठ एड. के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद लाठीचार्ज की घटना पर रोष व्यक्त करते हुये मांग की है कि एक जांच कमेटी गठित कर दोषी न्यायिक एवं पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये। टैक्स बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने गाजियाबाद के जिला जज को भी निलंबित किया जाने की मांग की है। साथ ही लाठीचार्ज में घायल सभी पांच अधिवक्ताओं को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा दिये जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, सचिव पवन मिश्रा, अखिलेश गुप्ता, सूर्यकांत मिश्रा, विकास कुलश्रेष्ठ, राजेश पाल, अमित जौहरी, हिमालय राज प्रधान, रजत सक्सेना, स के दुबे, रवि कुमार, अग्निवेश मिश्रा,कन्हैया कुलश्रेष्ठ, अपूर्व जौहरी, अंकित जौहरी, आलोक यादव, अर्पित सक्सेना आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

जी.टी.रोड पर पिकअप वैन की चपेट में आने से 3 की मौत आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में फकीरडीह चौक के पास सोमवार को सुबह करीब 6 बजे एक पिकअप वैन ने 3 छात्रा और एक महिला को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मौके पर ही 2 छात्रा और एक महिला की मौत हो गई। वही एक छात्रा गंभीर रूप से घायल है,जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि घटना के बाद से ही आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड को घंटों जाम करके रख दिया। वही घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने कहा कि 3 छात्रा को एक महिला सुबह 6 बजे ट्यूशन के लिए ले जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित पिकअप वाहन ने रोड किनारे खड़े चारों को अपने चपेट में ले लिया,जिससे मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वाले तीनों एक ही परिवार की थी। वही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। वहीं घटना का दोषी झामुमो के धनबाद जिला सचिव मन्नू आलम ने ह॥द्ध को ठहराया है। उन्होंने मीडिया के समक्ष कहा कि यदि आज फ्लाईओवर बना होता तो तीन युवतियों की मौत नहीं होती। फ्लाईओवर नहीं बनने से जीटी रोड मौत का सड़क बन चुका है और ना जाने और कितने लोगों की और जान जाने वाला है। आक्रोशित लोगों ने मुआवजा को लेकर घंटों तक जीटी रोड को दोनों छोरों को पूरी तरह से जाम कर दिया।

सड़क पर मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड गन्ना लदे ट्रक व ट्राले

❑ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के जिम्मेदार बने मूकदर्शक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

पिहानी । सड़कों पर ओवरलोड गन्ना लदे ट्रक, ट्राले व ट्रैक्टर-ट्रालियां सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रही हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार उन पर अंकुश लगाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। सड़कों पर फर्राटा भरने वाले ओवरलोड इन वाहनों की चपेट में आकर जहां रोज लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं, वहीं सड़क किनारे व्यवसायियों और अन्य लोगों के घरों में बिजली आपूर्ति के लिए लगे केबल रोज टूटते रहते हैं। इसको लेकर लोगों में आक्रोश है। ओवरलोड वाहनों के पलटने की घटनाएं होती हैं, जिससे असमय ही लोग काल के गाल में समा जाते हैं। इसके अलावा तारों में फंसकर गन्ने की फांदी सड़क पर चल रहे बाइक सवार, चारपहिया वाहन तथा राहगीरों के ऊपर गिरती हैं, जिससे लो ट्राला की बॉडी फटने ओवरलोड ट्रक, ट्राला और ट्रैक्टर-ट्राली से कभी भी कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई की जरूरत है। क्षमता से अधिक गन्ना लोड करने वाले वाहनों और उनके चालकों के खिलाफ प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए। क्योंकि इससे बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। ओवरलोड ट्रक और ट्राला से आए-दिन व्यवसायियों के घरों में बिजली सप्लाई के लिए लगाए गए केबल टूटता रहता है, जिसके चलती काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अजय कुमार दुबे ने विभिन्न स्थानों में चलाया जनसंपर्क अभियान

➲ कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने का किया आह्वान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। सोमवार को धनबाद विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे ने पुटकी बाजार,प्रभु चौक,मुनीडीह बाजार,भागाबांध,कोक प्लांट-पुटकी एवं बैंक मोड़ बिरसा चौक से जयप्रकाश चौक होते हुए धोवाटांड़ सहित विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया।जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के क्रम में ग्रामीण एकता मंच के संयोजक रणजीत सिंह जो पिछला चुनाव लड़े थे उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे से मुलाकात कर चुनाव में समर्थन देने की घोषणा किया।मौके पर धनबाद विधानसभा के इंडिया गठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे ने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान धनबाद विधानसभा क्षेत्र की जनताओं के द्वारा अपार समर्थन व आशीर्वाद से अभिभूत हूं,आगे उन्होंने कहा कि धनबाद विधानसभा की सर्वांगीण विकास के साथ-साथ बेहतर धनबाद बनाने की पहली प्राथमिकता होगी,उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान सभी समुदायों के लोगों का अपार समर्थन मिल रही है,धनबाद विधानसभा में विकास कार्य करने के मामले में पिछले 10 वर्षों में बीजेपी ने धनबाद को छलने का काम किया है,क्षेत्र की जनता भाजपा की गलत नीतियों के साथ-साथ इनके चाल,चेहरा और चरित्र को समझ चुकी हैं,भाजपा से लोगों का मोहभंग हुआ है और निश्चित रूप से इस चुनाव में धनबाद की जनता इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस प्रत्याशी को ऐतिहासिक जीत दिलाने का काम करेंगी,इस चुनाव में धनबाद की जनता का आशीर्वाद और समर्थन मिला तो निश्चित रूप से धनबाद की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ लोगों के बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्रमुखता होगी लोगों के बेहतर शिक्षा,चिकित्सा,बिजली,पानी व सड़क की व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रयास मेरी प्राथमिकता होगी।आगे उन्होंने कहा कि देश महंगाई,बेरोजगारी और आर्थिक संकटों से जूझ रही है,बीजेपी के गलत नीतियों के कारण युवा बेरोजगारों में बढ़ोतरी हुई है,लोग भाजपा के क्रियाकलाप से आक्रोशित एवं हतोत्साहित हैं,इंडिया गठबंधन के प्रति लोगों का विश्वास जगा है और निश्चित रूप से इस बार धनबाद विधानसभा की जनता इंडिया गठबंधन कांग्रेस के पक्ष में भारी मात्रा में मतदान कर भाजपा को आईना दिखाने का काम करेगी और निश्चित रूप से इस चुनाव में धनबाद विधानसभा से इंडिया गठबंधन की ऐतिहासिक जीत होगी।मौके पर मुख्य रूप से धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह,कार्यकारी अध्यक्ष रशीद राजा अंसारी, मदन महतो, मनोज यादव, राजेश्वर सिंह यादव, कयूम खान, लक्ष्मण तिवारी, योगेंद्र सिंह योगी, दिनेश यादव, मंटू दास, महेंद्र दुबे, गुड्डू खान, जितेश सिंह, दीपक सिंह, प्रभात सुरुलिया, पप्पु कुमार तिवारी, पप्पू पासवान, हुमायूं राजा, निवारण महतो, बबलू दास, मृत्युंजय सिंह, प्रीतम रवानी,साहिर खान, अरविंद सैनी, राजीव कुमार, रखाल दास, अजय पासवान, गुड़िया देवी सहित सैकड़ो कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से गरीब पात्रों को करायें लाभान्वित - डीएम

➢ सरकारी एवं गरीबों की भूमि पुलिस बल के साथ कब्जा मुक्त करायें - जिलाधिकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

शाहाबाद/हरदोई। तहसील शाहाबाद मे आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों होने वाले निर्माण एवं विकास कार्यो को प्राथमिकता पर गुणवत्ता तथा तय मानक के अनुरूप समय पर पूर्ण कराने के साथ भारत एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से सभी गरीब पात्र लोगों को लाभान्वित करायें। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी नियमित अपने कार्यालय में बैठे और आने वाले फरियादियों के प्रार्थना पत्रों का स्वयं सज्ञान लें तथा उसका तत्काल संभव न हो तो ससमय निस्तारण अवश्य करायें।सरकारी एवं गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायत के संबंध में डीएम ने सभी कानूनगों एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्रों में अवैध भूमि कब्जों की जो शिकायतें मिली है उनका रोस्टर बनाकर पैमाइस करें और तहसीलदार की उपस्थित में अवैध कब्जा की गयी सभी सरकारी एवं गरीबों की पट्टे की भूमि पुलिस बल के सहयोग से कब्जा मुक्त करायें तथा भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजें। विद्युत विभाग की शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान तत्काल कराये तथा नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति करायें। पेंशन से संबंधी आवेदन पर जिलाधिकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन वृद्वावस्था, निराश्रित एवं दिव्यांग पेंशनरों की पेंशन किसी कारण बंद या रूक गयी है उसकी ब्लाक स्तर पर जांच कराकर पात्र व गरीबों की पेंशन बहाल करायें साथ ही नये पेंशन के पात्र आवेदन पत्रों की जांच आख्या पत्र कर पेंशन स्वीकृत के लिए विभाग को प्रेषित करें। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों से कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए नियमित भ्रमणशील रहें तथा दबंग, अपराधी, एवं आसामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखें और अवैध भूमि कब्जा मुक्त कराने में राजस्व प्रशासन का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि आज सम्पूर्ण समाधान के अलावा सीएम डैश बोर्ड आदि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय अवश्य कर दें अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील परिसर का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम से कहा कि परिसर में स्थित जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण का कार्य जल्द करायें और तहसील के निर्माणाधीन भवन के निर्माण तेजी करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी दीक्षा जोशी, तहसीलदार व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी पीपी त्रिपाठी तथा जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ आदि उपस्थित रहे।

यातायात माह की हुई शुरुआत, एसपी ने हरी झंडी दिखा जागरूकता रैली को किया रवाना

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। जनपद में यातायात माह की शुरुआत हो गई है। पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों से होते हुए निकाली गई, जिसमें स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स और यातायात पुलिस के जवान शामिल थे। रैली के दौरान यातायात नियमों से संबंधित बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए, ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके। बता दें कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवंबर में यातायात माह की शुरुआत हो गई है। दरअसल 1 नवंबर से यातायात माह की शुरुआत होनी थी, लेकिन त्योहार को देखते हुए 4 नवंबर से इसकी आधिकारिक शुरुआत हुई है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक हरदोई नीरज कुमार जादौन ने यातायात माह के लिए जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं के रोकथाम करने के लिये लोगों को यातायात नियम के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठें, बिना नंबर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड से ना चलने के साथ लोगों से अपील की। वह अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट वह सीट बेल्ट के प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने को कहा। इस मौके पर सीओ यातायात, प्रभारी निरीक्षक यातायात एवं यातायात उप निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लूट खसौट रंगदारी और हत्याएं से निजात मिलेगी जनता करें बदलाव - रागिनी सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

झरिया/धनबाद। 5 वर्षों में कांग्रेस और जेएमएम की सरकार ने झारखंड में सिर्फ लूटने का काम किया. कोयलांचल में लुट खसोट, रंगदारी और हत्याएं को देखने को मिला, इस सरकार से आम जनता काफी त्रस्त हैं. ये उक्त बातें सोमवार को भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने जयरामपुर मोड़ में सभा के दौरान कहीं. इस दौरान प्रत्याशी तीसरा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चला कर भाजपा के पक्ष मतदान करने की अपील की. कहा कि झरिया विधानसभा के कौने कौने में भाजपा की जीत गूंज हैं. पांच साल में इस सरकार न झारखंड का हाल बुरा कर दिया. सरकार ने लूट, झूठ, भ्रष्टाचार, माफिया तंत्र व परिवारवाद को बढ़ावा दिया. केंद्र ने झारखंड के विकास के लिए जो पैसे दिए उसे भी हड़प लिया. इसलिए लूट-झूठ की सरकार को हटाकर भाजपा-एनडीए की सरकार बनाएं. झारखंड में जब डबल इंजन की सरकार होगी तो राज्य का तेजी से विकास होगा. इस दौरान जयरामपुर मोड़ निवासी मोनू कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में जनता ने बहुत कुछ खोया हैं. जयरामपुर के रहने वाले सोनू सिंह को गोली मार कर अपंग बना दिया. जिला प्रशासन वैसे आपराधिक प्रवृत्ति लोगो पर कार्रवाई नहीं किया गया. खुलेआम घूम रहे हैं झरिया के व्यवपारी वर्ग डरे सहमे हैं. झरिया की जनता 5 सालों में सब कुछ जान चुका हैं. इस बार जयरामपुर मोड़ के लोग भाजपा के पक्ष मतदान कर प्रत्याशी रागिनी सिंह को भारी मतों से जीत दिलाने काम करेंगे।

सरगम आर्ट ग्रुप तथा वारसी न्यूज टुडे का रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

- सूचना आयुक्त, तथा मेरठ कैंट के से विधायक की उपस्थिति मे पत्रकारों को विभिन्न श्रेणियों मे मिले अवार्ड
- निष्पक्ष निर्भीक तथा नैतिकतावादी पत्रकारिता के लिए राजधानी लखनऊ के पत्रकार ए एस खान को मिला पत्रकारिता गौरव सम्मान
- फिल्म प्रोडक्शन से जुडी हस्तियों के बीच नवोदित कलाकारों ने प्रस्तुत किये एक से बढकर एक संगीतमय रंगारंग कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

मेरठ - सरगम आर्ट ग्रुप तथा वारसी न्यूज टुडे की ओर से आई,एम,ए, हाल बच्चा पार्क नियर मूलचंद हास्पीटल मे आयोजित मेरठ गौरव बेस्ट मीडिया अवार्ड एव रंगारंग कार्यक्रम उच्च कोटी के वक्ताओं, नवोदित कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति, तथा सूचना आयुक्त लखनऊ तथा मेरठ कैंट के विधायक की उपस्थिति मे शानदार तरीके से संपन्न हुआ । कार्यक्रम का प्रारंभ सूचना आयुक्त लखनऊ तथा मेरठ कैंट के विधायक द्वारा विभिन्न श्रेणियों मे फ्रंटलाइन पत्रकारों को शाल उढाकर तथा ट्राफी देकर चुना गया । लखनऊ से आए पत्रकार ए एस खान को निष्पक्ष निर्भीक तथा उत्कृष्ट लेखनी के लिए मेरठ गौरव बेस्ट मीडिया अवार्ड से नवाजा गया । जिला बिजनौर के पत्रकार सलीम राशिद को बेस्ट न्यूकमर अवार्ड से सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त उपस्थित सम्मानित पत्रकारों को विभिन्न श्रेणियों मे सूचना आयुक्त लखनऊ राजेन्द्र सिंह मेरठ कैंट विधायक अमित अग्रवाल आदि गणमान्य लोगो द्वारा शाल उढाकर ट्राफी तथा बुके देकर सम्मानित किया गया । अपने संबोधन मे सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे पास मोबाइल सदुपयोग के लिए है दुरुपयोग के लिए नहीं आज सोशल मीडिया का जमाना है इसलिए लोगों को चाहिए कि वह जो खबर अपलोड करें वह सही हो गलत खबरों का आदान-प्रदान सोशल मीडिया के माध्यम से नहीं करना चाहिए ये अपराध की श्रेणी मे आता है । इस अवसर पर अपने संक्षेप संबोधन मे पत्रकार ए एस खान ने कहा कि वर्तमान स्वरूप मे पत्रकारिता एक जोखिम भरा कार्य हो गया है, किन्तु फिरभी लोकतंत्र के सजग प्रहरी अपना दायित्व पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं, नैतिकतावादी पत्रकारों को इस बात का हमेशा खयाल रखना चाहिए कि सरकार की योजनाओं को जनजन तक पहुचाने, तथा जनता से जुडे मुद्दे एव समस्याओं को सरकार तथा प्रशासन तक पहुचाना ही पत्रकारों का कार्य नही है, इसके अतिरिक्त एक जरूरी कार्य और भी है, वो ये कि जब जब विपक्ष कमजोर हो, तथा सरकार दमनकारी आचरण अपना रही हो उस समय पत्रकारिता को सशक्त विपक्ष की भुमिका मे ढलना होता है, और सरकार की गलत नीतियों का पूरजोर विरोध अपनी पत्रकारिता के माध्यम से करना होता है । ये पत्रकारों का ना केवल सवैधानिक अधिकार है अपितु नैतिक कर्तव्य भी है । सम्मान समारोह के बाद सरगम आर्ट ग्रुप की ओर से से म्यूजिकल प्रोग्राम प्रस्तूत किया गया जिसमे नवोदित कलाकारों ने एक से बढकर एक शानदार गीत एव नृत्य प्रस्तूत कर उपस्थित लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया । इस अवसर पर उपस्थित जनो मे विशेष रूप से सूचना आयुक्त लखनऊ राजेंद्र सिंह ,अमित अग्रवाल मेरठ कैंट विधायक, डॉक्टर संदीप जैन अध्यक्ष ,आईआईएमटी वाइस चेयरमैन मयंक अग्रवाल, आइरा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ए एस खान,अनिल गोढ, विकास त्यागी, शादाब रिजवी, जफरयाब्, विनोद गोस्वामी, महफूज हसन, सुरेंद्र शर्मा, नरेश उपाध्याय, मनोज कुमार ,सलीम अहमद, सलीम राशिद जरीफ़ कुरैशी मोहम्मद साजिद ,नावेद, सनोवर चौहान आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम के समापन पर आसिफ अनवर वारसी संपादक वारसी न्यूज़ टुडे ने उपस्थित खसूसी मेहमानों सहित सभी लोगों को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद दिया तथा आभार प्रकट किया ।

आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में की सदस्यता अभियान की शुरुआत सांसद संजय सिंह ने लखनऊ में सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ

❑ बीजेपी लोकतंत्र और आरक्षण खत्म करना चाहती है, अल्पसंख्यक,दलित,पिछड़े भाजपा के झांसे में नहीं आएंगेः संजय सिंह

❑ आरएसएस ने आज तक किसी दलित, पिछड़े को संघ प्रमुख क्यों नहीं बनायाः संजय सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान की शुरुआत की, जिसका शुभारंभ सांसद संजय सिंह ने लखनऊ में किया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। संजय सिंह ने कहा, आज से यूपी के सभी जिलों और कस्बों में सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। हमारे लक्ष्य के अनुसार, हर जिले में 20 लाख सदस्य बनाए जाएंगे और हम अगले छह महीनों में कुल 50 लाख सदस्य बनाने का प्रयास करेंगे। यह अभियान बिना किसी सदस्यता शुल्क के संचालित होगा और लोग ऑनलाइन वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भी जुड़ सकेंगे। उन्होंने आगे बताया कि जिलों में कम से कम 10 पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जो 10 ग्राम सभा और वार्ड कमेटियों का गठन करेंगे। हम हर महीने के दूसरे शनिवार को स्थानीय, प्रदेश और ब्लॉक के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दो कार्यक्रम आयोजित करेंगे। योगी सरकार पर हमला करते हुए श्री सिंह ने कहा, योगी सरकार ने 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है, जबकि पहले ही 26,000 स्कूल बंद किए जा चुके हैं। यह निर्णय गरीब और कमजोर वर्ग के प्रति सरकार की विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। हम इस मुद्दे पर 9 नवंबर को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेंगे। उपचुनाव के संदर्भ में, उन्होंने कहा, भाजपा ने अब तक क्या कार्य किया, इस पर चर्चा नहीं हो रही। उत्तर प्रदेश में नफरत का एजेंडा चलाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करेगी और अगर सपा का नेतृत्व चाहेंगे तो हम प्रचार में भी सहयोग देंगे। अंत में, उन्होंने कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यूपी में जो हो रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सीएम को चाहिए कि वे ऐसे मामलों में कार्रवाई करें, न कि संरक्षण।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रही महिला घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सोमवार शाम तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रही एक महिला को जोरदार ठोकर मार दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। गंभीर हालत में उसे लोक बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक सरोजनीनगर के शांति नगर निवासी दिव्या सिंह (28) सोमवार शाम करीब 7:30 बजे हज हाऊस के पास पैदल घर जा रही थी। तभी कानपुर रोड पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। जिससे दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए आनन फानन लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

दरोगा खेड़ा काशीराम कॉलोनी में लगा कूड़ो का अंबार, नगर निगम हुआ लापरवाह

⇨ नगर निगम की लापरवाही के चलते लग रहा है कूड़ो का अंबार , बजबजा रही आसपास की नालियां

⇨ काशीराम कॉलोनी में घुसते ही लगा कूड़ो का अंबार, नहीं हो रही है नियमित सफाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। योगी सरकार जहां राजधानी लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने में लगी हुई है, वही अभी भी लखनऊ के कई ऐसे कई कॉलोनी एवं क्षेत्र है जहां पर नगर निगम की घोर लापरवाही नजर आती। नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी योगी सरकार की मंशाओं पर फेर रहे पानी। ऐसे ही एक मामला सरोजनीनगर क्षेत्र में दरोगा खेड़ा स्थित काशीराम कॉलोनी की है जहां आए दिन कूड़ो का ढेर जगह-जगह लगा हुआ है, जिस वजह से आसपास बदबू व खतरनाक बीमारियों का फैलने का खतरा बना हुआ। काशीराम कॉलोनी के निवासी मंजू, विजय, बबली, कंचन, माया, पवन दीक्षित ,राजेश चौरसिया, सत्यजीत, सनी गुप्ता, अर्जुन, रमेश सहित अन्य

लोगों का कहना है कि काशीराम कॉलोनी में नगर निगम के कर्मचारी नियमित रूप से सफाई नहीं करने आते है, यही नहीं आसपास बकरियां और मवेशी घूमते हुए नजर आते है, जिस वजह से आसपास कूड़ो का ढेर इतना हो जाता है , चारों तरफ बदबू व गंदगी फैल जाती हैं। आसपास के नालियों में कूड़ा इकट्ठा हो जाने से पानी का आगमन बन्द हो जाता है, नालियां बजबजा जाती है, जब जिम्मेदार नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारियों को फोन किया जाता है तो फोन नहीं उठाते हैं, और जब फोन उठाते हैं तो सिर्फ आश्वासन मिलता है, नियमित रूप से सफाई नहीं होती, और न ही स्वच्छता अभियान को गंभीरता से लेते है, नगर निगम के कर्मचारी सिर्फ सफाई के नाम पर खानापूर्ति करते हुए फोटो खींचकर चले जाते हैं, जब जबकि आसपास कूड़ो का ढेर व गंदगी बराबर बनी रहती है।

मोबाइल लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

● छीना हुआ पीड़िता का मोबाइल बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। राजधानी लखनऊ के थाना आलमबाग के अंतर्गत

जहां आए दिन मौका पाकर रास्ता चलते महिलाओं व बुजुर्गो को निशाना बनाकर मोबाइल छीनकर भागने वाले आरोपियों की खबरें मिलती आ रही है, वहीं पुलिस द्वारा दिए गए तहरीर के अनुसार मोबाइल छीनने वालों की जांच पड़ताल कर रही है। कुछ मोबाइल छीनने वाले तो गिरफ्तार हो जाते हैं, परंतु अभी भी कई छीने हुए मोबाइल के सम्बन्ध में आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। ऐसे ही एक मामला संज्ञान में आते ही आलमबाग पुलिस टीम ने जनता के साथ मिलकर मोबाइल छीनने वाले एक आरोपी को धर पकड़ा। पुलिस टीम ने छानबीन के दौरान जनता के सहयोग से मोबाइल छीन कर भागने वाले अभियुक्त विशाल कुमार कनौजिया पुत्र रतन लाल कनौजिया निवासी 268/521 घ अंबेडकरनगर ऐशबाग थाना बाजारखाला हाल पता काशीराम कालोनी पारा थाना लखनऊ उम्र 24 वर्ष को आलमबाग बस स्टैण्ड मेट्रो से गिरफ्तार किया गया। बीते दिनों में पंजीकृत मुकदमा में पीड़िता द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र के अनुसार मुकदमा पंजीकृत किया गया, जिस आधार पर आलमबाग पुलिस टीम उ.नि. प्रदीप कुमार , का. अविनाश कुमार ने अभियुक्त विशाल कुमार कनौजिया को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एलडीए जोन-7 में अवैध निर्माण का बोलबाला, अधिकारी मूकदर्शक

➤ नोटिस तो काटे जाते हैं, लेकिन सीलिंग क्यों नहीं?

➤ प्रभावशाली निर्माणकर्ताओं के आगे नतमस्तक अधिकारी

➤ योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का मजाक उड़ा रहा एलडीए

➲ अवैध निर्माण कानून का मखौटा और एलडीए का खेल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मोहम्मद सैफ

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के प्रवर्तन जोन-7 में चल रहा अवैध निर्माण का तांडव शहर की खुली चुनौती बन गया है। प्रभावशाली बिल्डरों की अंधाधुंध निर्माण गतिविधियों ने न केवल शहर के स्वरूप को बिगाड़ा है बल्कि स्थानीय निवासियों के जीवन को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है। सत्ता के गलियारों में बैठे अधिकारियों की मिलीभगत के बिना यह सब संभव नहीं है। नोटिस जारी करना तो महज एक औपचारिकता बनकर रह गया है। मंडलायुक्त और उपाध्यक्ष के आदेशों की खुली अवहेलना और एलडीए के नियमों की धज्जियां उड़ाना इस बात का प्रमाण है कि कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहियागंज

क्षेत्र में मोर वाली कोठी और वाजपेई पूरी की दुकान के पास हो रहे अवैध निर्माणों ने तो मानो सभी हदें पार कर दी हैं। संकरी गलियों में बेसमेंट खोदकर व्यावसायिक मार्केट बनाए जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रभावशाली बिल्डरों की दबंगई के आगे प्रशासन नत-मस्तक है। सवाल उठता है कि आखिर क्यों योगी सरकार की शून्य सहिष्णुता नीति सिर्फ कागजों पर ही सिमट कर रह गई है? क्या अवैध निर्माण को बढ़ावा देने के पीछे कोई राजनीतिक साजिश है? यह एक गंभीर सवाल है जिसका जवाब प्रशासन को देना होगाव समय रहते अवैध निर्माणों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो शहर का स्वरूप पूरी तरह से बिगड़ जाएगा और कानून व्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। इस मामले में प्रशासन को तत्काल कठोर कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। साथ ही, इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि इस अवैध निर्माण के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। यह मामला न केवल लखनऊ बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक आईना है। यह दर्शाता है कि कैसे सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है और आम लोगों के हितों को ताक पर रखा जा रहा है। मंडलायुक्त और उपाध्यक्ष के आदेशों की खुली अवहेलना करते हुए एलडीए के नियमों को दरकिनार कर यह अवैध निर्माण किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है और प्रशासन से तत्काल कार्यवाही करने की मांग की है। एलडीए और प्रशासन से अवैध निर्माण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने और अधिकारियों की मिलीभगत की जांच करने की मांग की है।

समाचार

10 नवंबर को आयोजित राजनीतिक अधिकार भोजवाल महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों से भोजवाल समाज के लोग लेंगे हिस्सा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आगामी 10 नवंबर 2024 को लखनऊ में भोजवाल महाकुंभ भोजवाल समाज के हितों को लेकर होगी चर्चा। भोजवाल महाकुंभ द्वारा आयोजित राजनीतिक अधिकार भोजवाल महाकुंभ भुर्जी / भोजवाल समाज के सभी 64 उपवर्गों को लेकर 10 नवंबर दिन रविवार स्थान गांधी भवन प्रेछाग्रह कैसरबाग लखनऊ में सुबह 9 बजे से भोजवाल समाज के महाकुंभ का आयोजन हो रहा है इस महाकुंभ में भोजवाल समाज अपने हक और अधिकारों को लेकर चर्चा करेगा साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार से अपने समाज के लिए मांग भी करेगा कि उसे सर्वाधिक पिछड़े वर्ग में रखकर भोजवाल समाज का विकास किया जाए, भोजवाल सरनेम को सरकारी गज़ट में प्रकाशित कर सरकारी मान्यता प्रदान किया जाए और भोजवाल समाज की सामाजिक जनगणना कराई जाए ताकि उत्तर प्रदेश में रहने वाले लगभग एक करोड़ भोजवाल समाज के लोगों की जनगणना हो कर सही स्थिति का आकलन हो सके। भोजवाल समाज लखनऊ में पिछले 2 वर्षो से लगातार महाकुंभ करता चला रहा है जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश सहित लगभग देश के 16 राज्यों के भुर्जी जाति के लोगों ने अपने नाम के आगे भोजवाल सरनेम लगाने की मान्यता प्रदान की है इस महाकुंभ में इस बार भी छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तराखंड, झारखंड, राजस्थान, नागालैंड, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब, मणिपुर से भी भोजवाल समाज के लोग इस राजनैतिक अधिकार महाकुंभ में शामिल होने के लिए आ रहे हैं।

गाजियाबाद प्रकरण से नाराज वकीलों ने बहिष्कार कर तहसील व रजिस्ट्री कार्यालय कराया बंद

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। गाजियाबाद प्रकरण से नाराज वकीलों ने सोमवार को कार्य बहिष्कार करते हुए सरोजनीनगर तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय बंद करा दिया। जिससे तहसील कार्यालय में जहां किसानों के तमाम कार्य नहीं हो सके, वहीं रजिस्ट्री ऑफिस में लोगों की रजिस्ट्रियां नहीं हो सकीं। बताते हैं कि सोमवार को सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में सभी वकील एक जगह इकट्ठा हुए और आपस में एक रणनीति बनाई। बाद में कार्य बहिष्कार की घोषणा कर दी। इसके बाद सरोजनीनगर तहसील कार्यालय के सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल कर कमरों में ताला डलवा दिया। हालांकि इस दौरान तहसील कार्यालय में संपूर्ण समाधान दिवस बराबर चलता रहा। लेकिन लोगों के अन्य कार्य नहीं हो सके। वहीं वकीलों ने बिजनौर चौराहे के पास स्थित सरोजनीनगर रजिस्ट्री कार्यालय में भी कार्य बहिष्कार करते हुए रजिस्ट्री कार्यालय को बंद करा दिया। इसकी वजह से रजिस्ट्री ऑफिस में जमीनों की रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोगों की रजिस्ट्री नहीं हो सकी। फिलहाल अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार की वजह से दोनों कार्यालय में लोग अपने कामों के लिए भटकते रहे और बाद में उन्हें बिना काम कराए बैरंग लौटना पड़ा। बताते चलें कि बीते दिनों गाजियाबाद में एक मुकदमा स्थानान्तरित करने को लेकर वकीलों और जज के बीच कहा सुनी हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने वकीलों के ऊपर लाठीचार्ज कर दिया था। इसी से नाराज वकीलों ने दीपावली त्यौहार के बाद सरोजनीनगर तहसील और रजिस्ट्री ऑफिस खुलते ही कार्य बहिष्कार करते हुए दोनों कार्यालय में तालाबंदी करा दी।

पटाखे जलाकर किशोर के ऊपर फेंका किशोर घायल काटा गया हाथ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बिजनौर इलाके में बीते दिनों एक युवक द्वारा पटाखे जलाकर किशोर के ऊपर लगातार फेंकने से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में भर्ती कराया गया तो उसका एक हाथ काटना पड़ गया। इस मामले में पीड़ित किशोर के पिता ने आरोपी के खिलाफ बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। काकोरी के दसदोई गांव निवासी वीरेंद्र के मुताबिक दीपावली वाले दिन 31 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे छोटू यादव उसके 16 वर्षीय बेटे लक्की यादव को बहला फुसला कर बिजनौर के पास ले गया। जहां तेज आवाज वाले पटाखे का थैला लक्की को पकड़ा दिया। आरोप है कि बाद में छोटू पटाखे जलाकर लगातार लक्की के ऊपर फेंकने लगा। जिससे लक्की के पास मौजूद पटाखे के थैले में विस्फोट होने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। गंभीर हालत में उसे दुबग्गा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां लक्की का एक हाथ काटना पड़ गया। फिलहाल बिजनौर पुलिस मामले के रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

महिला पहुंची विधानसभा के सामने आत्मदाह करने आत्मदाह निरोधी दस्ते ने महिला को दबोचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी में सोमवार पूर्वाह्न विधानसभा के सामने आत्मदाह करने पहुंची महिला को आत्मदाह निरोधी दस्ते ने समय रहते आत्मदाह करने से बचाकर हजरतगंज थाना पुलिस के हवाले कर दिया। महिला अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने का प्रयास कर रही थी। महिला का नाम ममता बताया जा रहा है।पीड़िता गाजियाबाद के लोनी देहात की रहने वाली है। महिला ने पुलिस को बताया कि गांव में उसकी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है जिसकी शिकायत उसने स्थानीय थाने में की थी लेकिन वहां उसकी शिकायत पर कोई कार्यवाही न होने के चलते वह लखनऊ पहुंची। फिलहाल पुलिस महिला से संबंधित प्रकरण की जांच कर रही है।

शिवभार गुर्जर लखनवी साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्थान,आचार्य पिंगल सभागार, प्रभातनगर तेलीबाग लखनऊ-2 में पटेल जयंती/ इंदिरा गांधी बलिदान दिवस/ दीपमालकोत्सव पर कवि सम्मेलन एवं साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन, संस्थापक/अध्यक्ष डा. एल पी गुर्जर लखनवी द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। आये तमाम साहित्यकारों ने बढ़चढ़ कर हिसा लिया । पधारे सभी साहित्यकारों/मनीषियों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए तहे दिल से खैरमगदम करते बन्धन अभिनन्दन किया तो करतल ध्वनि से सभागार गूंज उठा । डा. गुर्जर लखनवी ने इजाजत लेते हुए शिरोमणि गज़लकार रमेश राज को अध्यक्ष और डाक्टर इरशाद राही को मुख्य अतिथि साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में रमेश चन्द्र श्रीवास्तव रचि अति बिशिष्ट अतिथि- रायबरेली से आये हास्य कवि अमलेश कुमार, अनीता अरोड़ा जी अतिथि- विमल बैरागी और चुस्त दुरुस्त संचालन कविवर राम शंकर वर्मा जी ने किया । इस अवसर पर संस्थापक/अध्यक्ष डॉ. एल पी गुर्जर लखनवी ने डॉ. राम राज भारती को संस्था उपाध्यक्ष पद सहित नवाजकर स्वागत किया। करतल ध्वनि से एक बार फिर सभागार गूँज उठा । कविता पाठ का प्रारंभ डॉ. राम राज भारती जी से होकर गीत गजल, मुक्तक, छन्द विभिन्न विधाओं पर एक से बढकर एक चुनिन्दा रचनाएँ पेश कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया । कविता पाठ का सिलसिला राय बरेली से आये आकाश हलचल ने वाकई हलचल मचा दी । अनीता अरोड़ा जी की कविताएं सराही गयीं । काव्य पाठ करने वालों ने बेअदब लखनवी, डाक्टर राम राज भारती, डाक्टर इरशाद राही, डाक्टर नेहा कुमारी , उमा लखनवी, रमेश राज, डा. गुर्जर लखनवी , प्रेमशंकर शास्त्री, नीतू श्रीवास्तव, डाक्टर यदुनाथ सुमन, राजेन्द्र कुमार सक्षम, प्रतिभा श्रीवास्तव, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव रचित, राजकुमारी गुर्जर, डाक्टर अरविंद झा, कवि प्रवीण पाण्डेय जी आवारा आदि ने अपनी चुनिन्दा कविताओं से शमाँ बाध दिया । अध्यक्षीय भाषण मे रमेश राज जी ने सँस्था खूब सराहना करते हुए बेहद बेहतरीन गज़ल पेश कर सबका मन मोह लिया ।तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार एकबार फिर गूँज उठा । अन्त में संस्थापक/अध्यक्ष डा. एल पी गुर्जर लखनवी और स?रक्षिका रमा गुर्जर जी ने मंचीय अध्यक्ष एवं नवागंतुकों को प्रशस्ति पत्र/अंगवस्त्र सहित सभी साहित्यकारों का स्वागत करते हुए अन्ततः समापन भाषण/धन्यवाद देते हुए अगले आयोजन तक कार्यक्रम को स्थगित किया गया।

प्रगति भारत महोत्सव 2024 परिचर्चा, संगोष्ठी एवं कवि सम्मलेन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच उप्र इकाई के तत्वावधान में प्रगति भारत महोत्सव के सांस्कृतिक मंच से युवा भारत - स्वस्थ भारत विषय पर एक अति महत्वपूर्ण परिचर्चा की गयी द्य परिचर्चा में अपने-अपने विषय के तीन विद्वानों के सारगर्भित विचार लिए गए द्य इन विद्वानों में डा. सिद्धार्थ राय, एसोसिएट प्रोफेसर, (पी.एम.आर.) एस.जी.पी.जी.आई, लखनऊ डॉ. कविता कुमारी प्रसाद, अध्यक्ष महाकवि जयशंकर प्रसाद ट्रस्ट एवं डा. शिवांग वर्मा,जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे, (अवध वन प्रभाग) ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये द्य इस संगोष्ठी के वार्ताकार युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच उ.प्र. के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह श्रेयस थे द्य आज के कार्यक्रम को डॉ0 राम बहादुर मिश्र अध्यक्ष अवध भारती संस्थान, एवं प्रख्यात साहित्यकार श्री जयप्रकाश तिवारी जी का सानिध्य मिला द्य कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में राजधानी के प्रख्यात गीतकारों ने अपने गीतों से मंच को सजाया द्य इन कवि एवं गीतकारों में डॉ.सुभाष चंद्र %रसिया%, श्री रामसनेही विश्वकर्मा %सजल%, श्री महेश चंद्र गुप्त %महेश%, श्री मनीष मगन, श्री रामराज भारती जी प्रमुख रहे द्य इन कवियों के अतिरिक्त युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के सम्मानित सदस्य श्री अतुल कुमार राय एवं हरीतिमा प्रकाशन के प्रमुख श्री शिवाश्रय प्रजापति उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम के सह संयोजक श्री अनिल कुमार सचान एवं युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच, उप्र इकाई महासचिव श्री नंदकिशोर वर्मा जलदूत ने कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया द्य

तहसील संपूर्ण समाधान दिवस पर पसरा सन्नाटा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। शनिवार को दीपावली की छुट्टी होने के कारण सोमवार को सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में सन्नाटा पसरा रहा। शनिवार के बजाय सोमवार को आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस की आम जनता को जानकारी न होने के कारण जहां अधिकतर फरियादी कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके, वहीं ज्यादातर अधिकारी भी अनुपस्थित रहे। यही नहीं सरोजनीनगर एसडीएम भी इस कार्यक्रम से पूरी तरह नदारद रहे। जिसकी वजह से तहसील दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव को करनी पड़ी। संपूर्ण समाधान दिवस में मेमौरा स्थित नन्हकी खेड़ा निवासी सैन्य कर्मी सूबेदार अमर सिंह ने शिकायत दर्ज कराई कि वह सेना में सेवारत होने के साथ ही वर्तमान में पंजाब के फिरोजपुर में तैनात हैं। सूबेदार अमर सिंह का कहना है कि उनकी मेमौरा स्थित खसरा संख्या - 273ख भूमि की सभी मेड़ें समाप्त कर जसवीर सिंह ने खसरा संख्या 273क में मिल लिया और अपनी जमीन बेच दी। आरोप है कि खसरा संख्या 273 के पूरे भाग पर जसवीर सिंह कब्जा कर सीमेंटेड बाउंड्री वॉल का कार्य करा रहे हैं। सूबेदार अमर सिंह का कहना है कि वह घर से दूर नौकरी में होने के कारण देख रेख नहीं कर पाते। जब 25 अक्टूबर को अपने खेत की जुताई करने पहुंचे तो जसवीर सिंह, उनकी पत्नी और जसवीर के साले मौके पर पहुंचकर लड़ाई झगड़ा करने के साथ ही जमीन पर जबरन कब्जा कर मारपीट पर उतारू हो गए। इसी तरह खुशहाल गंज के संदीप यादव ने शिकायत की कि वह अपनी भूमि खसरा - 272 के कुछ हिस्से पर निर्माण करा रहे हैं। लेकिन पास में सरकारी नाली होने के कारण कुछ स्थानीय लोग आपत्ति कर निर्माण नहीं करने दे रहे। जिसकी वजह से उसकी निशान देही करना आवश्यक हो गया है। उधर आज आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस से संबंधित 4, राजस्व से संबंधित 13, विकास व समाज कल्याण से संबंधित 1 - 1 और अन्य 4 शिकायतों सहित कुल 23 शिकायतें दर्ज की गई। लेकिन एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका।

अपनी मांगों को लेकर 12वें दिन भी किसानों का धरना रहा जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट विस्तारीकरण को लेकर अधिग्रहित की जा रही किसानों की खेतिहर जमीन व मकान का मुआवजा और दूसरी जगह पुनर्स्थापित करने को मकान बनाने के लिए जमीन देने की मांग पर अड़े मोहम्मदपुर भक्ति खेड़ा वासियों का धरना 12वें दिन सोमवार को भी लगातार जारी रहा। युवक कृषक मजदूर सेवा संस्थान उत्तर प्रदेश के बैनर तले बीते 24 अक्टूबर से दिन-रात लगातार गांव के बाहर एयरपोर्ट प्रशासन के विरोध में महिलाओं व बच्चों के साथ धरना दे रहे किसानों का कहना है कि उनकी पैतृक खेतिहर जमीन व मकान का मुआवजा देने के साथ ही गांव को दूसरी जगह पुनर्स्थापित करने को मकान बनाने के लिए सभी को रजिस्ट्री के साथ जमीन उपलब्ध कराने के अलावा 40 फीट की सड़क, नाली और प्राथमिक विद्यालय आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उनका कहना है कि जब तक एयरपोर्ट प्रशासन यह नहीं करता, तब तक आगे का निर्माण कार्य ना किया जाए। नहीं तो बराबर धरना जारी रहेगा। धरना दे रहे लोगों ने आरोप लगाया कि कई बार शासन प्रशासन द्वारा गुमराह करके उनकी जमीन पर एयरपोर्ट के रडार सहित कई निर्माण कार्य करा लिए गए, लेकिन गाँव को पर्नस्थापित नहीं किया गया। बताते चलें कि लखनऊ एयरपोर्ट विस्तारीकरण को लेकर एयरपोर्ट प्रशासन, पुलिस और पीएसी के अलावा जिला प्रशासन की मदद से एयरपोर्ट के दक्षिण बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य कराने में प्रयासरत है। इसको लेकर बीते दिनों रहीमाबाद गांव की सीमा में मशीनों से नींव खुदाई के साथ ही लोहे की टीन शेड युक्त बैरिकेडिंग कर दी गई। लेकिन जब मोहम्मदपुर भक्ति खेड़ा की सीमा में निर्माण कार्य पहुंचा तो वहां के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करते हुए आगे का कार्य रुकवा दिया। फिलहाल तब से आगे का निर्माण कार्य रुका हुआ है। लेकिन जहां डॉ. भीमराव अम्बेडकर व देश के अन्य वीर सपूतों के फोटो लेकर ग्रामीण लगातार दिन-रात मौजूद रहकर धरना दे रहे हैं, वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी बल भी मौके पर दिन-रात मौजूद है।

संपादकीय

मोदी की गलतबयानी

किसी भी देश के लिये इससे अधिक शर्मनाक बात और कोई हो नहीं सकती कि उसका नेतृत्व करने वाले व्यक्ति पर मिथ्याभाषी होने का आरोप लगे। उस व्यक्ति के लिये भी यह उतना ही शर्मनाक होगा कि उसे अपनी कोई बात इसलिये वापस लेनी पड़े क्योंकि वह गलत साबित हो जाती है- चाहे वह किसी भी स्वरूप में क्यों न हो! दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं, चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां- नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं। वे शायद भूल रहे हैं कि एक राष्ट्राध्यक्ष केवल कार्यपालिका प्रमुख नहीं होता वरन वह देश के मूल्यों, आदर्शों एवं नैतिकता का भी संरक्षक होता है। इस मोर्चे पर श्री मोदी ने इसलिये भारत को निराश किया है क्योंकि इस महादेश ने जिन मूल्यों पर चलकर आजादी पाई, यानी सत्य और अहिंसा, वे दोनों ही मटियामेट कर दिये गए हैं। हिंसा के प्रश्रय के बारे में अनुकूल अवसर पर चर्चा की जा सकती है लेकिन फिलहाल यह प्रसंग इसलिये उठ खड़ा हुआ है क्योंकि नरेन्द्र मोदी के एक बड़े असत्य कथन से देश शर्मसार है। उनकी भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और कार्यकर्ता-समर्थक लज्जित हैं या नहीं- यह तो वे ही जानें। मामला है मोदी द्वारा अपने ही एक ट्वीट को डिलीट करना जो उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक भाषण को सन्दर्भ बनाकर पोस्ट किया था। हाल ही में खरगे ने सलाह दी थी कि सरकारों को वे ही वादे करने चाहिये जो वे पूरा कर सकें। हमले का अवसर मानकर अपने एक्स हैंडल पर तत्काल मोदी ने इस आशय का ट्वीट किया कि कांग्रेस की सरकारें झूठे वायदे करती है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के हवाले से कहा कि कांग्रेस की गारंटियां झूठी हैं और इन राज्यों की हालत बहुत खराब है। यह ट्वीट कर मोदी ने मानो बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया। इसका प्रत्युत्तर कांग्रेस के नेताओं ने देकर मोदी को इतना मजबूर कर दिया कि उन्हें एक्स पर से वह ट्वीट हटाना पड़ा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोदी पर तंज कसा कि वे फिर से चुनावी मोड में आ गये हैं। खेड़ा ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने पांच की पांच गारंटियां लागू कर दी हैं जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किये गये 10 में से पांच वायदे पूरे हो चुके हैं। वहीं तेलंगाना सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं केन्द्र को भेज चुकी है। कांग्रेस नेता यहीं तक नहीं रूके। उन्होंने मोदी से पूछ लिया कि अब वे बतायें कि उनके द्वारा किये गये कितने वादे पूरे हुए हैं। खेड़ा ने व्यंग्य किया कि श्लगता है मोदी अपने ट्रोल्स के फॉलोअर बन गये हैं परन्तु वे (ट्रोल्स) भी इतने खराब पोस्ट नहीं करते कि उन्हें अपने ट्वीट्स हटाने पड़ें।श् मोदी को मशरूम छोड़कर बादाम खाने की सलाह देते हुए खेड़ा ने कहा कि इससे उन्हें अपने वादे याद आ जायेंगे। उन्होंने मोदी को 100 स्मार्ट सिटी, नमामि गंगा, महिला सुरक्षा, रुपये व पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर किये गये वादों की याद भी दिलाई।

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है।

निवेश-निजी खपत से बढ़ेगी आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

> **इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए संवत 2081 में पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ने पर शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई की चुनौतियों के बीच भी भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों और ऊंचाई पर स्थित 700 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम होगा। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा और शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी**

हाल ही में एक नवंबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'एशिया प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक अनुमान 2024' में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की विकास दर को पहले के 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि दिवाली के बाद एक नवंबर से शुरू हुए नए संवत 2081 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती संबंधी शुभ संकेत उभरकर सामने आ रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई में नरमी आएगी और वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय ग्लोबल फंड का भारतीय बांड में किया जा रहा निवेश उभरते बाजारों में ऊंचाई पर रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष 2023 में भारतीय बांड में जो विदेश निवेश 70627 करोड़ रुपए का था, वह इस वर्ष 2024 में करीब 88 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर तक 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

निश्चित रूप से नए संवत 2081 में भारत की विकास दर उभरते हुए देशों की तुलना में ऊंचाई पर होगी। नए संवत 2081 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे हमारे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत हुए हैं। इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकते हुए सितारे के रूप में रेखांकित हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में भारत के घरेलू बाजार की अहम भूमिका है। इस वर्ष दीपावली और इससे जुड़े त्योहारों पर देशभर के घरेलू और स्थानीय बाजारों में भारी मांग देखी गई है। चीनी उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है। दिवाली त्योहार के बाजारों में 4.25

लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह नए संवत 2081 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। बेहतर मानसून से ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ रही है। नए संवत में देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से मिल रही शक्ति बढ़ेगी। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने के और अधिक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस समय जब दुनिया में वैश्विक संघर्षों से उथल-पुथल मची हुई है, तब भारत नए संवत 2081 में दुनिया के लिए उम्मीद की एक किरण के रूप में दिखाई दे रहा है।

जहां भारत गरीबी जैसी चुनौतियों को कम करते हुए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा, वहीं दुनिया की मदद करते हुए दुनिया में आशा का संचार भी करेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वैश्विक संघर्ष की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। नए संवत 2081 में यह भी दिखाई दे सकेगा कि एक ओर भारत अपने भरपूर खाद्यान्न भंडारों से देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा निश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मददगार बना हुआ है। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय से भारत में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने का बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है और इससे देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आ रही है। हाल ही में विश्व बैंक ने गरीबी अवलोकन और विकास रिपोर्ट 2024 में बताया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आई है। इस समय वैश्विक आबादी के करीब 70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी यानी 181 रुपए (करीब 2.15 डॉलर) प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे हैं।

नेहरू का साइंटिफिक टेंपर और कमला हैरिस की साइंटिस्ट मां!

शकील अख्तर

भारतीय मूल की कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने देर से और सेंकड च्वाइस में अपना उम्मीदवार बनाया। मगर उन्होंने रिपब्लिक डोनाल्ड ट्रंप को उस घबराई स्थिति में पहुंचा दिया कि वह कचरा उठाने वाले की ड्रेस पहनकर कचरे का ट्रक चलाने लगे। अगर कमला हैरिस जीत गई तो यह हो जाएगा वह हो जाएगा कह कर डराने लगे। यह पढ़कर आपको हमारे यहां के लोकसभा चुनाव और उसमें इस तरह के डराने वाले भाषण याद आ सकते हैं। अब पता नहीं ट्रंप हमारी राह पर चले हैं या हम जब ट्रंप का प्रचार करने अमेरिका गए थे चार साल पहले तब उनसे सीख कर आए हैं। बहुत समानता है। ट्रंप भैंस छीन लेंगे की तरह यह भी कह रहे हैं कि तुम्हारा स्टोव छीन लेगी। चुनाव हैं पता नहीं क्या होता है! 5 नबंबर को वोटिंग हो जाएगी। कमला हैरिस ने बहुत टफफाइट दी है। और इस चुनाव को अमेरिका के इतिहास का सबसे नजदीकी मुकाबला माना जा रहा है। जीत हार का अंतर बहुत कम रहने का अनुमान है। मतदान बैलट पेपर से होता है रिजल्ट आने में समय लगेगा। हालांकि गिनती वोटिंग खत्म होने के तत्काल बाद शुरु हो जाएगी। और 5 नवंबर की रात, 6 की सुबह तक ट्रेंड मालूम चल जाएगा। जो भी हो! लेकिन चुनाव में आखिरी आखिरी तक दिलचस्पी बरकरार है। वोटिंग से ठीक पहले कमला हैरिस ने अपनी मां का एक फोटो ट्वीटर पर डालकर लिखा है 19 साल की उम्र में अकेली अमेरिका आई। उनकी मां श्यामला गोपालन। बस इतना ही। अमेरिकी भारतीयों को एक मैसेज कि कैसे भारत के लोग यहां आकर कामयाब बने। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से एक मैसेज भारत भी आता है कि कैसे आजादी के बाद से भारत में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम हुआ और यहां की अच्छी पढ़ाई से निकले छात्रों को बाहर विदेशों की यूनिवर्सिटी में जगह मिलीं। और साइंस सहित दूसरे क्षेत्रों में भारतीयों ने देश का नाम रोशन किया। कमला हैरिस की मां साइंटिस्ट थी। बायलोजी में काम था। 1958 में अमेरिका पहुंची थी। यहां कालेज पूरा करने के बाद। यह महत्वपूर्ण है। साइंस और शिक्षा सरकार के द्वारा देने की। आज दोनों चीजें खत्म की जा रही हैं। अंधविश्वास को बढ़वा देकर साइंस को कमजोर किया जा रहा है और प्राइवेट शिक्षा को बढ़ावा देकर मुफ्त और सस्ती मिलने वाली सरकारी शिक्षा को।लेकिन भारत का नाम विश्व में ऊंचा करने वाले सब यहां से सरकारी शिक्षा प्राप्त करके और विज्ञान चाहे उच्च शिक्षा में नहीं लिया हो मगर वैज्ञानिक चेतना लेकर बाहर गए। नेहरू ने आजादी के बाद अपना पहला भाषण नियति से साक्षात्कार ट्रिस्ट विद डेस्टिनी साइंटिफिक टेंपर को मूल आधार बना कर ही दिया था। आज हमारे प्रधानमंत्री के भाषणों से भक्त और मीडिया बहुत खुश होता है। उनके भाषणों की संख्या भी सब से ज्यादा होगी। मगर नेहरू का वह भाषण दुनिया के बेहतरीन भाषणों में शुमार होता है। विश्व के बड़े नेताओं के बीच उनके ऐतिहासिक भाषणों में ट्रिस्ट विद डेस्टिनी रखा जाता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर, विंस्टन चर्चिल, महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला जैसे विश्व प्रसिद्ध लोगों के ऐतिहासिक भाषणों में नेहरू का भाषण इसलिए जगह पाता है कि उसमें वे भारतीयों में साइंटिफिक टेंपर वैज्ञानिक मिजाज पैदा करने की बात करते हैं। आपको बता दें कि भाजपा संघ के लोग जो सबसे ज्यादा हमला नेहरू पर करते हैं वे इसीलिए करते हैं कि नेहरू भारत में वैज्ञानिक मिजाज पैदा करना चाहते थे। यही विज्ञान और वैज्ञानिक समझ अंधविश्वास, झूठ, नफरत, अफवाहों की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। वैज्ञानिक मिजाज के बाद नेहरू की जो दूसरी सबसे बड़ी बात संघ भाजपा को तकलीफदेती है वह है उनका यह कहना कि अफवाहें देश की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। दक्षिणपंथी, प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक इन्दिरा गांधी यही कहती थीं इन्हें कि सबसे बड़ा हथियार तो यह अफवाहें ही हैं। पहले जुबानी फैलाते थे। अब दस साल से व्हाट्सएप के जरिए और मीडिया के भी। तो भारत के लोग नेहरू के बनाए उच्च शिक्षा संस्थानों, एम्स, आईआईटी, आईआईएम में पढ़े और बाहर गए। आज तो कहा जा रहा है कि जो हुआ 2014 के बाद हुआ। मगर बाहर जाने वाले तो सब 2014 से पहले पढ़ कर निकले। आज तो विदेशों में तीसरी पीढ़ी है। मगर इन सच्चाइयों पर झूठ का आवरण डालने की कोशिश करते हुए कहा गया कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। अब चाहे वह कमला हैरिस की मां हों या इंग्लैंड के प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक के पूर्वज सब 2014 के पहले ही भारत में पैदा हुए। और उन्हें आशावाद, प्रगति का वह माहौल मिला कि वे और ज्यादा तरक्की करने के लिए बाहर निकले। और राजनीति के अलावा बहुत सारे दूसरे क्षेत्रों में तो हजारों लोगों ने उच्च स्तर पर काम किया। कर रहे हैं। तो अब अमेरिका में मतदान है। एक दिन है अभी शेष। भारतीय मूल का वोटर वहां दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। उनके वोट पर दोनों उम्मीदवारों की निगाहें लगी हुई हैं। और प्रचार यह है कि मोदीजी वहां बहुत लोकप्रिय हैं। तो क्या कोई उनकी यह बात कहकर भारतीयों के वोट ले सकता है कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी? सिर्फअमेरिका में ही नहीं किसी भी देश में रह रहा भारतीय यहां पैदा होना गर्व की बात मानता है। अब उसे उलटी पट्टी पढ़ाई जा रही है। मगर वह जो यहां नेहरू इन्दिरा के बनाए शिक्षण संस्थानों में पढ़कर गया है और उसी से उसने परदेस में अपनी पहचान बनाई है वह क्या इस बात को मानेगा कि जो है 2014 के बाद ही है? कमला हैरिस ने अपनी मां का उल्लेख करके बता दिया कि 47 में नेहरू ने कहा था साइंटिफिक टेंपर और प्राइमरी स्कूल में पढ़ रही उसकी मां उसके बाद साइंस पढ़कर ही 1958 में अकेली अमेरिका जा पहुंची। यह होती है साइंस की ताकत। व्यापक रूप से शिक्षा की ताकत। आज जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं उस तरह पैदा नहीं हुआ जैसे सब लोग हुए हैं। अवतरित हुआ हूं। नान बायलॉजिकल। कहते हैं नाले के गैस से चाय बना लो। और ऐसी ही बहुत सारी हवा हवाई। दस बीस तो सबको जबानी याद होंगी। और कोई जरा सा भी रिकार्ड देखकर लिखने लगे तो सौ से ऊपर। बादलों में से जहाज निकाल दो रडार नहीं पकड़ पाएगा। विषय नहीं बदला तो हमें भी याद आती चली जाएंगी। इसलिए कमला हैरिस के अपनी साइंस्टिस्ट मां के अकेले अमेरिका आने का इस समय उल्लेख करने से यह सब याद आया। मां श्यामला गोपालन की दूसरी पीढ़ी ने इतनी तरक्की कर ली अमेरिका में कि आज राष्ट्रपति बनने की दौड़ में हैं। पहली अश्वेत महिला, विदेशी मूल की।

मेष:- भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

बृषभ:- व्यावसायिक संबंध प्रगाड़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन:- किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क:- समाजिक मान-सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह:- नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या:- रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला:- प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक:- अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु:- भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्टा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर:- उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस-पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ:- परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीन:- सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख-साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा।

दो में से क्या तुम्हें चाहिए मोहब्बत, या खौफ और नफरत

राम पुनियानी

भारत के औपनिवेशिक विरोधी संघर्ष के दौरान कई तरह के सकारात्मक सामाजिक बदलाव आए. इनमें से एक था हिन्दू-मुस्लिम एकताश् और सभी धर्मों के लोगों की भारतीय के रूप में एक समग्र पहचान का उदय. औपनिवेशिकता-विरोधी राष्ट्रवादी विचारधारा ने इसे प्रोत्साहित किया और इसके सर्वोत्तम प्रतीक थे महात्मा गांधी, जिन्होंने इसकी खातिर अपने खुले सीने पर तीन गोलियों का वार झेला. उन्होंने लिखा था, हमें केवल समझौता नहीं चाहिए, हमें चाहिए दिलों का मेल जो इस असंदिग्ध सोच पर आधारित हो कि भारत के हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच अटूट एकता के बिना स्वराज कभी न हासिल हो सकने वाला एक सपना बना रहेगा। हिन्दुओं और मुसलमानों में केवल युद्धविराम से काम चलने वाला नहीं है। दोनों के बीच शांति, परस्पर समय पर आधारित नहीं होनी चाहिए. यह एक बराबर लोगों के बीच भागीदारी होनी चाहिए, जिसमें दोनों एक दूसरे के धर्मों का सम्मान करें। इसके ठीक विपरीत, धर्म के मुखौटा पहने राष्ट्रवादी होने का दावा करने वाली शक्तियां न केवल उपनिवेश विरोधी संघर्ष में शामिल नहीं हुईं वरन् उन्होंने घृणा और विभाजन के बीज बोए और उन्हें खाद-पानी दिया. आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर ने लिखा, श्जर्मन नस्ल का गौरव आजकल चर्चा का विषय है। अपनी नस्ल की शुद्धता और संस्कृति कायम रखने के लिए जर्मनी ने दुनिया को चौंकाते हुए देश से यहूदियों का सफाया कर दिया। यहां अपनी नस्ल का आत्मगौरव की सर्वोच्च भावना प्रदर्शित की गई। जर्मनी ने हमें यह भी दिखाया कि कैसे मूलभूत मतभेदों वाली नस्लों और संस्कृतियों का मिलन लगभग असंभव होता है, यह हिंदुस्तान के लिए एक समझने वाली और इससे लाभान्वित होने वाली बात हैश् (व्ही, ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड, भारत पब्लिकेशन, नागपुर, 1939)। इसी सोच के चलते आरएसएस ने भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के विरूद्ध घृणा फैलाने का अभियान चलाया। यह अभियान कई दशकों तक अधिक जोर नहीं पकड़ सका लेकिन वर्तमान समय में यह आम सामाजिक सोच का अहम् हिस्सा बनकर उभरा है, जिसके नतीजे में मुस्लिम-विरोधी हिंसा, उन्हें डराने, उनकी लिंचिंग करने और कई अन्य तरीकों से उन्हें सताने और नुकसान पहुंचाने का अंतहीन सिलसिला जारी है। इसके चलते समाज में वे अलग-थलग होकर सीमित दायरों में सिमट गए हैं और उनके दूसरे दर्जे का नागरिक बन जाने के हालात उत्पन्न हो गए हैं. यह प्रक्रिया अभी भी जारी है और भाजपा-आरएसएस के कई नेता नए-नए तरीके खोज कर घृणा को और गहरा करने में जुटे हुए हैं। वे जुबान पर आसानी से चढ़ने वाले नारों का इस्तेमाल कर मुसलमानों का दानवीकरण कर रहे हैं। श्उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, श्मशान-कब्रिस्तान और विभिन्न प्रकार के जिहादों की बात- वोट जिहाद जिनमें सबसे ताजा है - आदि-आदि के एक लंबी सूची है। ऊपर से उसके दो शीर्षस्थ नेताओं ने वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को शिखर पर पहुंचा दिया है। इनमें से एक हैं- गिरिराज सिंह, जो नफरत फैलाने वाले गिरोह के प्रमुख नेताओं में से एक हैं. हाल में उन्होंने कहा, श्यदि एक मुस्लिमध्धुसपैठिया तुम्हें एक तमाचा मारे, तो सबको मिलकर उसे 100 तमाचे मारने चाहिए...घर में एक तलवार, एक भाला और एक त्रिशूल रखो, उसकी पूजा करो, और यदि कोई आए, तो उससे अपनी रक्षा के लिए इनका इस्तेमाल करो... प्रसंगवश हमें राष्ट्रपिता याद आते हैं, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई तुम्हें एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल सामने कर दो। मैत्री और प्रेम गांधीजी की भारतीय राष्ट्रवाद की विचारधारा के दो अहम भाग थे लेकिन हिंदू राष्ट्रवाद हिंसा और नफरत भड़काकर इसके ठीक विपरीत दिशा में काम कर रहा है। मैत्री में कमी और नफरत में बढ़ोतरी की यह प्रक्रिया साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की राजनीति के समानांतर चलती रही है, विशेषकर बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने और उसके बाद चलाए गए कई विभाजक अभियानों के दौरान। केन्द्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से आरएसएस से जुड़े विभिन्न संगठनों और विभाजक राष्ट्रवाद के मैदानी कार्यकताओं को यह लगने लगा कि वे बिना किसी डर के मनमानी कर सकते हैं। लगभग इसी समय समाज को विभाजित करने वाले एक और नेता योगी आदित्यनाथ, जो बुलडोजर (अ)न्याय के प्रणेता हैं, ने भी बटेंगे तो कटेंगे का नारा बुलंद किया है जिसका अर्थ है कि यदि हिंदू बंटे तो उनका कत्लेआम कर दिया जाएगा। इस नारे के कई आयाम हैं और हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ संगठन ने इसे अनुमोदित कर दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार (26 अक्टूबर, 2024) को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादस्पद टिप्पणी -बटेंगे तो कटेंगे जिसके जरिए उन्होंने दावा किया कि यदि हिंदू बंटे तो मारे जाएंगे, का समर्थन कर दिया। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि- हिंदुओं की एकता का आह्वान करने वाला यह नारा हमेशा से संघ का संकल्प रहा है।

इसके कई पहलू हैं। पहला यह कि आरएसएस के रणनीतिकार यह मानते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन की वजह यह थी कि दलित मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की ओर हो गया था जो सामाजिक न्याय की अवधारणा के पक्ष में दृढ़ता से खड़ा था और जिसने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन यदि दलित और अन्य पिछड़े वर्ग इंडिया गठबंधन के साथ हो लेते हैं तो हिंदुओं का कत्लेआम किसके द्वारा किया जाएगा? इस नारे के अनुसार ऐसा मुसलमान करेंगे। लेकिन, इसके विपरीत पिछले 75 सालों से तो उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। संघ परिवार यहां 2024 में हुए जनांदोलन के बाद बांग्लादेश में हुई हिंदुओं की दुदर्शा का अप्रासंगिक मुद्दा भी उठा सकता है। पाकिस्तान तो हिंदुओं की दुर्दशा का ढोल पीटने के लिए हमेशा से एक सदाबहार उदाहरण रहा ही है। सभी भारतीयों का एक होना स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य बिंदु था। उपनिवेश विरोधी संघर्ष में भारतीयता हमारी एकता का प्रमुख आधार थी जो हमारे संविधान में भी प्रतिबिंबित होता है। 20वीं सदी के महानतम हिंदू, गांधी ने कभी हिंदुओं की एकता की बात नहीं कही। न ही मौलाना आजाद और खान अब्दुल गफ्फार खान ने कभी मुसलमानों की एकता का आह्वान किया। भाजपा को कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति के भले की कोई चिंता नहीं है। उसकी विचारधारा, क्रियाकलाप और बातें सभी एकताबद्ध भारत के विपरीत हैं। वह राहुल गांधी (आरजी) की मोहब्बत की दुकान वाली बात का मखौल बनाती है और राहुल गांधी के आरएसएस के नेताओं से मुलाकात न करने पर सवाल उठाती है। पलटकर यह सवाल किया जा सकता है कि आरएसएस क्यों आरजी से मिलना चाहती है? आरएसएस जानता है कि उसकी राजनीति नफरत (मुसलमानों, ईसाईयों और हिंदू राष्ट्रवाद के विरोधियों के प्रति) पर आधारित है, वहीं आरजी भारत के प्रेम और मैत्री के राष्ट्रीय चरित्र में प्राण फूंकने का प्रयास कर रहे हैं, जिन पर हमारे संविधान में जोर दिया गया है। आखिर राहुल गांधी की उन विचारकों से मुलाकात करने में दिलचस्पी क्यों होगी जिनके विचारों के खिलाफ वे अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं? यदि आरएसएस चाहता है कि राहुल गांधी उनसे मिलें, तो उसे अपनी विभाजक विचारधारा में आमूलचूल बदलाव करना पड़ेगा और भारतीय संविधान के मूल्यों को अपनाना पड़ेगा, जिसके केन्द्रीय मूल्य हैं भारतीय के रूप में हमारी आपसी एकता और धर्म की सीमाओं के परे आपसी भाईचारा। ठीक इसी वजह से गांधी के शिष्य नेहरू ने कभी आरएसएस को तरजीह नहीं दी। इसी वजह से इंदिरा गांधी ने आरएसएस प्रमुख बालासाहब देवरस के मुलाकात के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

कायस्थ बंधुओं ने की भगवान चित्रगुप्त जी की भव्य आरती

➲ आरती के प्रसाद प्रसाद का किया वितरण

फतेहपुर, (संवाददाता)। शहर के शांतीनगर स्थित बांके बिहारी मंदिर में स्थित भगवान चित्रगुप्त जी के मंदिर में भगवान चित्रगुप्त जी की भव्य आरती की गई। कायस्थ समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। भगवान चित्रगुप्त से प्रार्थना किया कि वह सब का कल्याण करें।

दीपावली पर्व पर कायस्थ समाज के लोग अपनी कलम को रख देते हैं और भाई दूज के दिन भगवान चित्र गुप्त जी की पूजन अर्चन करते हैं। हवन करते हैं, कलम दवात की पूजा करते हैं और फिर अपनी कलम से कार्य प्रारंभ करते हैं। कायस्थों का शस्त्र कलम माना गया है। लिहाजा कायस्थ समाज के लोग कलम की पूजा करने के बाद ही कलम से लिखना प्रारंभ करते हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिलाध्यक्ष काली शंकर श्रीवास्तव, आखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, सभासद संजय लाला, कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, श्रीवास्तव, हृदेश श्रीवास्तव, जयप्रकाश सिद्धराज, श्याम सुंदर श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, निरंजन श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इसके अलावा चंदियाना स्थित भगवान चित्रगुप्त जी के मंदिर में हवन पूजन किया गया। जिसमें यजमान के रूप में निशु श्रीवास्तव व उनकी पत्नी ने भाग लिया। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कुंज बिहारी श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव, जगदीश गुप्ता, गुड्डू लाला, निशा श्रीवास्तव, लवली श्रीवास्तव, बिन्नू श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मौजूद रहे। उधर बांके बिहारी मंदिर में तमाम वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्य मछलियों को भोजन भी खिलाया। भगवान चित्रगुप्त जी की आरती के बाद प्रसाद भी ग्रहण किया। इस अवसर पर शिवसागर साहू, दीप चंद्र, रामराज, महेश अग्निहोत्री, कवि केपी सिंह, सुरेश गुप्ता, रतन भारद्वाज सहित तमु लोग मौजूद रहे।

बिंदकी विधानसभा में कांग्रेस से चार ने पेश की दावेदारी

फतेहपुर, (संवाददाता)। बिंदकी कस्बा स्थित एक कॉम्प्लेक्स में कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों की दावेदारी को लेकर एक बैठक बुलाई। बैठक में चार उम्मीदवारों हिदायद उल्ला खां उर्फसईद चच्चा, फ़क्ररुद्दीन उर्फपप्पू, बाबर खान ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान ने आयोजन के आयोजक प्रशांत शुक्ला को धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए कहा कि चुनाव लड़ना आसान है परंतु उसकी तैयारी कठिन है इसलिए इच्छुक उम्मीदवार अभी से अपनी जमीन तैयार करने में जुट जाएं तभी सफलता संभव है। उन्होंने आगे कहा कि आज कांग्रेस जनता के हित की लड़ाई में आगे आकर संघर्ष कर रही है जिसका अनुकूल असर भी हो रहा है। अन्य वक्ताओं सईद चच्चा, विवेक मिश्रा, प्रशांत शुक्ला आदि ने भाजपा सरकार की भ्रष्टाचारी नीति एवं धार्मिक उन्माद फैलाने में माहिर लोगों के बीच कटुता फैलाकर जनता को गुमराह करने की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें देश हित से कोई सरोकार नहीं है।

भैया दूज पर रोली-टीका कर बहनों ने उतारी आरती

➲ बहनों ने भैया का कराया मुंह मीठा

फतेहपुर, (संवाददाता)। धनतेरस, दीपावली के साथ-साथ भैया दूज को भी मिठाई की दुकानों में अपार भीड़ जुटी रही। अपने भाईयों की सलामती के लिए सभी बहनों ने हल्दी व चंदन से टीका लगाकर व मुंह मीठा कर उनके लंबे जीवन की कामना की। दुख की घड़ी में साथ देने वाला भाई ही एक बहन के लिए प्राथमिकता देता है। बहन-भाई के बीच असीम प्रेम बना रहने के लिए भैया दूज मनाया जाता है। इस दिन सभी बहने अपने-अपने भाई की सुखमय जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है। जिसके चलते शहर की मिष्ठान की दुकानों में जमकर मिठाई की खरीदारी हुई। भाई को बहन के प्रति भले ही प्रेम की भावना न हो, लेकिन बहन को भाई के प्रति असीम लगाव होता है। भैया दूज एक बहन के लिए अहम पर्व के रूप में माना जाता है। सुबह से ही दूर-दराज में रहने वाली बहनों का आना-जाना लगा रहा और यही प्रक्रिया देर शाम तक लगातार जारी रही। विवाहित बहनों ने साल के पूरे दिन भले ही अपने पति की पूजा कर उसकी लम्बे जीवन की कामना ईश्वर से ही हो लेकिन भैया दूज पर्व में बहनों का प्रेम भाई के आगे पति का प्रेम फीका पड़ जाता है। इस दिन बहनों ने भाईयों की पूजा कर उनको तिलक लगाकर मिठाई भी खिलाती है। जिला कारागार में बंद अपने भाइयों से भाई दूज के अवसर पर बड़ी संख्या में बहने पहुंची और टीका लगाकर भाई दूज के पर्व को धूमधाम से मनाया। इस दौरान बहनों ने जहां भाइयों के माथे पर टीका कर उनकी लम्बी आयु की कामना की वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार भी दिए और पैर छू-कर आशीर्वाद लिया। पर्व को देखते हुए जेल प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था के पूरे इंतजाम किए थे। जेल अधीक्षक ने बताया कि भाई दूज के मनाने के लिये विशेष व्यवस्था की गई है। मिठाई और पूजा सामग्री भी जिला कारागार की ओर से उपलब्ध कराई गई।

यातायात माह: पंपलेट वितरित कर फैलाई जागरूकता

➲ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर की कार्रवाई

फतेहपुर, (संवाददाता)। जिले में यातायात माह युद्ध स्तर पर मनाया जा रहा है। रविवार को भी यातायात पुलिस के साथ-साथ क्षेत्रीय पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर वाहन चालकों के बीच पंपलेट वितरित कर जागरूक करने का काम किया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की। एसपी धवल जायसवाल के निर्देशन में यातायात माह मनाया जा रहा है। सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए यातायात प्रभारी लालजी सविता एवं यातायात पुलिस ने माल वाहक द्वारा सवारियों का परिवहन करने वाले वाहनों, दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, सवारी ई-रिक्शा पर माल ढोने, बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई और नाबालिक द्वारा वाहन चलाने वालों की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई। आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई। यातायात प्रभारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके ही मार्ग दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। दुर्घटना में किसी व्यक्ति की अनायास मृत्यु हो जाने पर उसका परिवार भी बिखर जाता है इसलिए सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें।

मिशन शक्तिः महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

फतेहपुर, (संवाददाता)। एसपी धवल जायसवाल के निर्देशन में एंटी रोमियो टीम की ओर से मिशन शक्ति फेज-5 अभियान व आपरेशन जागृति जिले भर में चलाया जा रहा है। जिसके तहत महिलाओं व बालिकाओं के बीच पुलिस टीम पहुंचकर आडियो, वीडियो व पंपलेट वितरित कर उन्हें जागरूक करने का काम कर रही है। जिले के समस्त थानों की पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों में महिला पुलिस कर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिस कर्मियों के साथ शहरी एवं ग्रामीणांचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं, बालिकाओं, छात्र-छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ प्रदेश सरकार के जारी हेल्पलाइन नंबरों 1090 वीमेन पॉवर लाइन, साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओं के संबंध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया।

सोते युवक के तकिए के नीचे रखी चेन व नगदी पार

➲ स्मार्ट फोन को भी चुरा ले गए चोर, मुकदमा दर्ज

फतेहपुर, (संवाददाता)। जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां शनिवार की रात एक युवक तकिया लगाकर सो रहा था। इस दौरान शातिर चोरों ने तकिए के नीचे रखे सोने की चेन व बीस हज़ार की नगदी पार कर दी। वहीं चार्जिंग में लगा स्मार्टफोन पर भी चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सुरागरसी में जुट गई है। खखरेरू थाना क्षेत्र के रक्षपालपुर गांव निवासी दिवाकर सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद गांव स्थित अपने निर्माणधीन पोल्ट्री फार्म में देखरेख के लिए सोने चला गया था। देर रात सोते समय अपनी सोने की चेन उतार कर तकिए के नीचे रख दिया। साथ ही पास में रखें 20 हज़ार 300 रुपये भी रख दिये। अपना स्मार्टफोन चार्जिंग में लगाकर बगल में रखकर सो गया। सुबह जब नींद खुली तो देखा कि सोने की चेन व नगदी रुपए के साथ मोबाइल गायब था। तब जाकर युवक को अपने साथ हुई घटना की जानकारी हुई। चोरी की घटना में युवक के नगदी समेत लाखों रुपए का सामान चोरी होने से होश उड़ गए। इस पर पीड़ित ने मामले की तहरीर स्थानीय थाना पुलिस में दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चे लाल प्रसाद ने बताया कि पीड़ित की शिकायती पत्र के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफचोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्त में लिया जाएगा।

पुलिया टूटने से राहगीर व मोहल्लेवासी परेशान

खागा, फतेहपुर, (संवाददाता)। नगर के नौबस्ता रोड स्थित दर्जिन टोला में चतुर्भुजी मंदिर के पास एक पुलिया पिछले दो महीनों से क्षतिग्रस्त है, जिससे वहां के स्थानीय निवासी और राहगीरों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह पुलिया लगभग पांच फुट की लंबाई में टूटी हुई है, जिससे इस मार्ग पर आवागमन करना काफी जोखिम भरा हो गया है। खासकर, बच्चों और बुजुर्गों को इस मार्ग से गुजरने में दिक्कत होती है, जबकि वाहनों के गुजरने पर दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर उन्होंने कई बार नगर पंचायत कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। हर बार उन्हें सिर्फआश्वासन दिया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। नगरवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि जल्द ही पुलिया की मरम्मत नहीं की गई, तो उन्हें बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ेगा। स्थानीय निवासी सोनू, राजू, डीके मिश्रा ने मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस पुलिया की मरम्मत कराए, ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सके और आवागमन सुरक्षित हो सके। ईओ देवहूति पांडेय ने बताया कि सूचना मिली है जल्द ही पुलिया बनवा दी जाएगी।

झरिया विधायक ने जनसंपर्क कर लोगों से मांगी वोट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

श्रमबिंदु/धनबाद। माननीय झरिया विधायक सह महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह ने झरिया के ऊपर डुमरी बस्ती व लाल बंगला में जनसंपर्क के माध्यम से घर-घर जाकर कांग्रेस के पक्ष में वोट करने की अपील की। विधायक ने जनसंपर्क के दौरान कहा झरिया कि जनता से किए गए वायदे- चाहे आरएसपी कॉलेज को झरिया वापस लाने की बात हो, अस्पताल बनाने की बात हो, जलापूर्ति की बात बात हो या राजा तालाब के पुनरुद्धार की बात हो- हमने तय समय में पूरा किया है और जो अभी अभी निर्माणाधीन है वह अगले कुछ महीनों में पूरा कर लिए जाएंगे। बता दें कि बीते दिनों विधायक ने टाटा महाप्रबंधक से वार्ता कर पूरे इलाके में 20 घंटे बिजली और निर्बाध बिजली की मांग की थी जिसके फलस्वरूप आज डुमरी मौजा के ग्रामीण बिजली और पानी का लाभ ले रहे हैं। विधायक ने कहा एक ऐसा दौर भी था जब झरिया को टापू बनाने की साजिश रची जा रही थी और यहां हर दिन लोगों को बेघर किया जाता था। आज किसी की हिम्मत नहीं कि झरिया में सुरक्षित और सम्मानजनक पुनर्वास की सुविधा किए बगैर किसी का घर खाली हो जाए। झरिया विधायक ने लोगों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके बेहतर शिक्षा के लिए और झरिया के लिए निरन्तर विकास के लिए महागठबंधन को वोट करने की अपील की। मौके पर अशोक कुमार महतो, जीतन महतो, करण महतो, विजय तूरी, देवनाथ तूरी, दुलाल तूरी, टेकन तूरी, जलेश्वर तूरी, गौतम महतो, आदित्य महतो, अमन महतो, अजय कुमार महतो और प्रकाश तूरी समेत दर्जनों कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

गुलरी पुरवा क्रय केन्द्र पर गन्ना खरीद का हुआ विधि विधान से शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले की तहसील लहरपुर क्षेत्र के ग्राम गुलरी पुरवा गन्ना क्रय केंद्र का शुभारंभ विधि विधान से पूजा अर्चना कर किया गया। जानकारी के अनुसार अवध शुगर मिल हरगांव के अन्तर्गत आने वाले गन्ना क्रय केन्द्र गुलरी पुरवा का शुभारम्भ सोमवार को क्रय केंद्र पर पूजा अर्चना कर किया गया,पूजा अर्चना के उपरान्त सेंटर इंचार्ज संजय दीक्षित ने क्षेत्र के ग्राम मकनपुर निवासी किसान दिलीप का गन्ना तौल कर क्रय केंद्र पर गन्ना खरीद प्रारंभ की। इस मौके पर उपस्थित गन्ना विकास समिति लि0 हरगांव के डायरेक्टर मनीष मिश्रा व डेलीगेट दिनेश पटेल ने क्रय केंद्र पर किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देशित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चीनी मिल के गन्ना विभाग सीडीओ जयवर्धन सिंह ग्राम प्रधान विवेक शुक्ल,ग्राम प्रधान उमेश मिश्र,डेलीगेट विनोद शुक्ल डेलीगेट अमरजीत सिंह डेलीगेट,प्रेम नारायण पांडेय डेलीगेट,रामनिवासगोस्वामी डेलीगेट गेट,फील्ड सुपर वाइजर अजीत सिंह,सुशीम मिश्रा,गुड्डू मिश्रा,सुरेन्द्र मिश्रा,गणेश शुक्ला, अनूप पटेल रिजवान सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित थे।

आत्म हत्या के लिए उकसाने के मामले में वांछित आरोपी को थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

बिछवा/मैनपुरी। सोमवार की सुबह थाना प्रभारी, ने मय हमराह के साथ मुखबिर की सूचना पर कस्बा की एक युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे लिखा पढ़ी कर न्यायालय में पेश किया है। सोमवार की सुबह थाना प्रभारी अवनीश त्यागी मय हमराह आरक्षी दीपू पाल विपिन यादव शान्ति व्यवस्था हेतु क्षेत्र में थे तभी मुखबिर की सूचना पर मुकद्दमा अपराध संख्या 365/2024 धारा 108/61 (आत्म हत्या के लिए उकसाने के मामले) में फरार चल रहे आरोपी आकाश पुत्र मेवाराम निवासी मोहल्ला केवल वार्ड नंबर 10 थाना गंजडुंडवारा जनपद कासगंज को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को थाना पुलिस ने लिखा पढ़ी करते हुए न्यायालय समक्ष पेश किया।

कौशांबी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची कड़ा की टीम

कौशाम्बी, (संवाददाता)। जिला स्टेडियम टेवा मंझनपुर में रविवार को टीपीएल टूर्नामेंट के अंतर्गत तीन मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला कड़ा की टीम और कौशांबी की टीम के बीच खेला गया। कड़ा की टीम के कप्तान मारुति नंदन त्रिपाठी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। कौशांबी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कड़ा टीम के कप्तान मारुति नंदन त्रिपाठी ने पहले ओवर में ही कौशांबी टीम के ओपनर बल्लेबाज दिव्य रतन को अभिषेक के हाथो बिना खाता खोले हुए कैच आउट करा दिया। जिससे टीम दबाव में आ गई। इसके बाद मिथुन सिंह ने कृष्ण प्रकाश को भी व्यक्तिगत जीरो के स्कोर पर आउट कर दिया। जिससे टीम पूरी तरह से बैक फुट पर आ गई। लेकिन कौशांबी टीम के कप्तान अवनीश त्रिपाठी ने बेहतरीन 34 गेंद पर 38 रनों की पारी खेली और उनके साथ देने के लिए आए मनोज वर्मा ने भी 24 रनो की पारी खेली जिसकी बदौलत कौशांबी की टीम 12 ओवरों मे 5 विकेट के नुकसान पर बना 85 रन बना सकी। तथा कड़ा को जीत के लिए 86 रनों का लक्ष्य रखा। कड़ा की टीम की शुरुआत मिथुन सिंह और अभिषेक ने किया अभिषेक ने 19 रन और शशांक शेखर ने नाबाद 16 रन व वेद प्रकाश ने 19 रनों का योगदान दिया जिसमें उनके दो छक्के और एक चौका शामिल था। अंत में बल्लेबाजी करने के लिए आए दिनेश प्रकाश ने शानदार बल्लेबाजी की जिन्होंने आठ गेदो का सामना किया और महत्वपूर्ण 17 रन बनाए जिसमें तीन चौके शामिल थे। जिसकी बदौलत कड़ा की टीम ने 10.3 ओवर में ही मैच जीत लिया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा मुकाबला नेवादा बनाम चायल के बीच खेला गया। नेवादा के कप्तान शुभम शर्मा ने टॉस जीता पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया नेवादा की टीम निर्धारित 12 ओवर में 127 रन बनाई जिसमें शुभम शर्मा ने 46 रन संजय वर्मा ने 45 जितेन्द्र सिंह ने 16 और अवधेश ने 11 रनों की पारी खेली। जवाब में चायल की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही चायल की तरफ से सुशील ने 34 रन सुनील कुमार ने 22 रन लवकुश ने 13 रन और आलोक ने 11 रनों की पारी खेली चायल की पूरी टीम 106 रन बना सकी और नेवादा ने इस मैच को 21 रनों से जीत लिया। तीसरा मुकाबला सिराथू बनाम सरसवा के बीच खेला गया। सिराथू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सिराथू की तरफ से संजय ने 28 और आशीष आर्य ने 21 रनों का योगदान दिया।

युवक व बाइक चालक की भिड़ंत, दोनों गंभीर

फतेहपुर, (संवाददाता)। ललौली थाना क्षेत्र के चिल्ला पुल के समीप अचानक ट्रैक्टर से उतरे युवक से बाइक चालक की भिड़ंत हो गई। जिसमे दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहाँ डॉक्टर भर्ती कर उनका इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार बांदा जनपद के चिल्ला थाना क्षेत्र के चकला गांव निवासी अमर का 19 वर्षीय पुत्र संदीप शनिवार की रात बाइक पर सवार होकर फतेहपुर किसी काम से आ रहा था। जब उसकी बाइक ललौली थाना क्षेत्र के चिल्ला पुल के समीप पहुंची तभी ट्रैक्टर से अचानक उतरे थाना क्षेत्र के बेनी डेरा गांव निवासी मलखान 20 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार से उसकी ज़िरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार संदीप व ट्रैक्टर से उतरा सुनील दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल अवस्था में दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

ननिहाल गई किशोरी जेवर व नकदी लेकर पड़ोसी प्रेमी संग चंपत

कौशाम्बी, (संवाददाता)। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक किशोरी कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक कस्बे में ननिहाल गई थी जहां किशोरी नकदी व जेवरात लेकर प्रेमी संग चंपत हो गई। खोजबीन के बाद किशोरी की मां ने मामले की लिखित सूचना पुलिस को देकर आरोपी युवक पर कार्यवाही की मांग की है। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी ननिहाल गई थी। पीड़िता का आरोप है कि उसकी बेटी को पड़ोस का रहने वाला एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि उसकी बेटी घर से नकदी व जेवरात भी ले गई है।

भैयादूज के पर्व पर बहनों ने भाइयों के तिलक लगाकर की दीर्घायु की कामना

कौशाम्बी, (संवाददाता)। भाई-बहन के प्रेम के पर्व भैया दूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर टीका लगाकर आरती उतारी और मंगलकामना की है। इसके साथ ही पंच पर्व दीपोत्सव का अंतिम सोपान भैयादूज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भाइयों की मंगलकामना एवं सौभाग्य के निमित्त बहनों ने भाइयों के माथे पर रोली का टीका लगाया और उनकी लंबी उम्र एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को भेंट उपहार दिए।बहनों में पर्व को लेकर काफी उत्साह रहा। बहनों ने गंगा नदी में स्नान कर विधिविधान से यम के निमित्त पूजन अर्चन किया।मान्यता के मुताबिक बहन के सौभाग्य में वृद्धि के लिए भाइयों ने उनके घर पर भोजन किया। कड़ाधाम के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही बहनों ने स्नान-पूजन के साथ यम के निमित्त जल देकर भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर व आरती उतारकर उनकी दीर्घायु के लिए मंगलकामना किया।

मुकुट पूजन के साथ सिराथू में रामलीला का हुआ शुभारंभ

कौशाम्बी, (संवाददाता)। सिराथू कस्बे के रामलीला मैदान में रविवार को पूरे विधि विधान के साथ श्री गणेश पूजा के बाद मुकुट पूजन के साथ ही कस्बे की रामलीला शुरू हो गयी है इस मौके पर बड़े पैमाने पर कस्बे के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।पिछले साल की तर्ज पर इस वर्ष भी नगर पंचायत सिराथू का रामलीला शुरू हो गया है। पहले दिन परंपरागत तरीके से मुकुट पूजा की गई है साथ ही कस्बे की प्राचीन रामलीला की विधिवत शुरुआत हो गई है । पहले दिन कलाकारों ने नारद मोह का मंचन किया जहां भगवान शिव ने माँ पार्वती को भगवान राम की कथा सुनाई की अंहकार सभी जीवों के शत्रु होता है चाहे भगवान हो या फिर इंसान । मंचन में नारद मुनि ने घोर तपस्या कर रिद्धि सिद्धि को प्राप्त कर देव विजय प्राप्त कर लिया था जिसका नारद मुनि को अहंकार हो गया । नारद मुनि का घमंड तोड़ने के लिए विष्णु भगवान ने लीला रचते हुए मायानगरी का निर्माण कर स्वयम्बर का आयोजन किया जिसमें नारद मुनि विष्णु भगवान से सुंदर अक्स मांगने गए तो उन्हें बंदर का रूप दे दिया जिससे स्वयम्बर में हंसी का पात्र बने नारद मुनि का अहंकार टूटा। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र केसरवानी, डिप्टी सीएम के बड़े भाई सुखलाल मौर्य उपजिलाधिकारी सिराथू अजेंद्र सिंह , हरिमोहन वर्मा , छोटेलाल मिश्रा, हरिश्चंद्र मिश्रा, राजेश पांडेय, डा राहुल केसरवानी सहित तमाम पदाधिकारी व कस्बे के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस फोर्स के साथ कोखराज एसओ ने किया पैदल गस्त

कौशाम्बी, (संवाददाता)। कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहा और उसके आसपास पैदल गस्त करते हुए कोखराज एसओ दुर्गेश कुमार गुप्ता ने आम जनता से मुलाकात कर व्यवस्था का हाल-चाल जाना और लोगों से अमन चैन के साथ निर्भीक होकर रहने को कहा , बाजारों में पैदल गस्त कर लोंगो को सुरक्षा व निर्भीक होकर दुकानों पर ब्यापार करने को कोतवाल ने कहा उन्होंने कहा कि कोई भी परेशानी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दे पैदल गस्त के दौरान हमराहियों के साथ कोतवाल ने कुछ बाइक सवार को रोक कर चालान भी किया और कहा कि बिना हेलमेट पहने ने चले और शराब पीकर गाड़ी व बाइक में सफर न करें ,दो से अधिक लोग न चले सुरक्षा को देखते हुए तेज रफ्तार बाइक न चलाये हिदायत दी कि रोड के किनारे शराब के ठेकों पर पर कोई भी दारू पीता हुआ नही दिखना चाहिए यदि रोड़ पर दारू पीता हुआ पाया गया तो सख्त कार्यवाही की जाएगी।

गांजे का कश लगाकर जिंदगी को हवा में उड़ा रहे युवा

➲ नगर में भांग की दुकानों में धड़ल्ले से बिक रहा गांजा

खागा, फतेहपुर, (संवाददाता)। गांव की गलियों व नगर क्षेत्र में बिक रहे नशीले पदार्थ युवाओं की जिंदगी तबाह कर रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा लेने वाले किशोर को भी गांजे का कश लगते देखा जा सकता है। हाई क्लास सोसाइटी में जहां नशा एक फैशन बन गया है वहीं गरीबों की बस्तियों में रहने वाले नव युवा बीड़ी सिगरेट के अंदर गांजा भरकर कश लगते खुलेआम देखे जा रहे हैं। कस्बे के कुछ मोहल्लो में घरों से गांजा का अवैध कारोबार किया जा रहा है। नौबस्ता हाईवे किनारे, गदाई मोहल्ला, रामनगर, मानू का पुरवा, बैरागी का पुरवा, नई बाजार, गढ़ी मोहल्ला, संग्रामपुर चौराहा, टेसाही किशनपुर स्टेशन रोड समीप आदि प्रमुख स्थानों पर अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। हालांकि इन पर प्रतिबंध तो लगा पाना संभव नहीं है लेकिन जिस पदार्थ की बिक्री पर शासन ने रोक लगा रखी है उसकी बिक्री भी प्रतिबंधित नहीं हो पा रही है। गांजा की पुड़िया गांव की गलियों में खुलेआम बेची जा रही है। सामाजिक मर्यादाओं के बंधन में बंधे होने के कारण ज्यादातर युवा गांजा का नशा कर रहे हैं तो उससे बचने वाले युवा दवाइयां का सेवन करने लगे हैं। लोगों की माने तो यह कारोबार पुलिस के संरक्षण में फल फूल रहा है। अक्सर देखा जाता है कि नशे के आदी व्यक्ति कभी भी चिलम सुलगाने लगते हैं, चाहे वह सार्वजनिक स्थान हो या फिर खुला मैदान। अब तक एक भी नशे के कारोबारी पर प्रशासनिक चाबुक नहीं चल पाया है।

गांव-गांव तक फैले नशे के व्यापारी तेजी से लोगों के बीच नशा बांट रहे हैं। इस अवैध व्यापार को रोकने के लिए नारकोटिक्स एक्ट बनाया गया है, लेकिन पुलिस व आबकारी विभाग गांजा की बिक्री पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। नशा कारोबारी की माने तो प्रतिदिन लगभग हजारों का गांजा बिक रहा है।

सफाई कर्मचारी के पुत्र का मोबाइल छीनकर ले गए बाइक सवार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

बेवर/मैनपुरी। कस्बा बेवर क्षेत्र मोहल्ला कुचलिया निवासी सफाई कर्मचारी ग्रीश बाल्मीकि कस्बा के मोहल्ला ब्रह्मनान में प्रतिदिन सफाई कार्य करते हैं। रोजाना की भांति वे अपने पुत्र जतिन के साथ सफाई कार्य करने जा रहे थे। जैसे ही उनका पुत्र मोहल्ला ब्रह्मनान वाली गली में मुड़ा वैसे ही सामने से आए एक बाइक पर सवार दो युवकों द्वारा झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीन लिया और इटावा रोड की तरफ भाग गए। उनके पुत्र ने दौड़कर बाइक का पीछा भी किया। लेकिन बाइक सवारों का कोई पता नहीं चला।

संपूर्ण समाधान दिवस: 173 प्रकरण में 41 का हुआ निस्तारण

➲ डीएम ने मोहनलालगंज में की तहसील दिवस की अध्यक्षता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

मोहनलालगंज। जनपद की पांचों तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 173 प्रकरण आए। जिसमें से मात्र 41 प्रकरण का निस्तारण मौके पर किया गया। जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने मोहनलालगंज तहसील में तहसील दिवस की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि समाधान दिवस पर तहसील सदर में 11 में से 1 प्रकरण का निस्तारण, तहसील मलिहाबाद में 29 में से 5 प्रकरण का, तहसील बीकेटी में 27 में से 3 प्रकरण का, तहसील मोहनलालगंज में 83 में से 32 प्रकरण का निस्तारण किया गया। इसके अलावा तहसील सरोजनीनगर में 23 मामलें आए, जिनमें से मौके पर एक भी प्रकरण का निपटारा नहीं हो सका। जनपद में पुलिस 23, राजस्व एवं पुलिस संयुक्त ०2, राजस्व 1०2, विकास 15, शिक्षा ०1, समाज कल्याण ०4 तथा अन्य 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए है। डीएम ने समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों को चेताया कि सभी अधिकारी जनता की शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर जांच कर गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करायें और यदि संज्ञान में आया कि निस्तारण की गुणवत्ता से शिकायत कर्ता संतुष्ट नही है या निस्तारण में लापरवाही बरती गयी है तो सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी।

15 दिन में अंश निर्धारण का कार्य पूरा कराएं

लेखपालों को निर्देश दिए गए की अंश निर्धारण के कार्य को तत्काल पूरा करा ले। अगले 15 दिनों में अभियान चला कर कार्य को पूरा किया जाए। साथ ही निर्देश दिया कि धारा 24 के लिए कानूनगोवार पैमाईश के लिए प्रतिदिन का रोस्टर प्लान बना कर उपलब्ध कराएं। साथ ही इस रोस्टर प्लान को पुलिस विभाग से भी साझा किया जाए। ताकि पैमाईश के दौरान पुलिस बल प्राप्त करने में असुविधा न हो।

दस माह बीत गए नहीं दे सका सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत सूचना का जवाब, स्वास्थ्य विभाग का मामला

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। समान पद समान वेतनमान एक साथ योगदान एक साथ प्रमोशन फिर भी अलग अलग वेतनमान चौकिये मत यह मामला मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर कार्यालय का है। जहां पर दस माह पहले सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा द्वारा स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के वेतनमान में की गई गड़बड़ियों एवं असमानता को लेकर के 11 दिसम्बर 2023 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर को शिकायत पत्र साक्ष्यों सहित संलग्न कर दिया गया था।जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। पीड़ित ने पांच फरवरी 2024 को महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश के माध्यम से सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर से स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के वेतन मान फिक्सेशन में की गई असमानता को लेकर सूचना मांगी मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर द्वारा महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें उ प्र के दो पत्रों का कोई संज्ञान नहीं लिया गया। सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत बीस अगस्त 2024 को द्वितीय अपील में महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें उत्तर प्रदेश के यहां अपील की जिस पर अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण लखनऊ मंडल लखनऊ द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर को अपने दो पत्रों के माध्यम से निर्देशित करते हुए लिखा सूचना उपलब्ध कराई जाये यदि नहीं उपलब्ध करा रहे हैं तो विधिक कार्रवाई का सम्पूर्ण उत्तर दायित्व आपका होगा।जिसकी कापी सूचना आयोग एवं सम्बन्धित को भी दी गई। परन्तु मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर द्वारा पूर्व में वेतन मान में की गई असमानता व गड़बड़ी होने के कारण आज तक सूचना उपलब्ध नहीं दे रहा है। इससे यह साफ प्रतीत होता है की वेतनमान में गड़बड़ियां की गई है नवल किशोर मिश्र द्वारा फार्म 16 के जो साक्ष्य लगाए गए हैं उनमें साफ- साफ यह दर्शा रहा है कि एक का वित्तीय वर्ष 2021 -22 में मूल वेतन 62200/- है और दूसरे का छांछठ हजार है तथा अन्य देय भत्ते हैं। इतना ही नहीं सेवा निवृत्त स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों की पेंशन भी निदेशालय से स्वीकृत हो गई है।पेन्शन निदेशालय भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर कार्यालय द्वारा की गई गड़बड़ियों को नहीं पकड़ सका।तथा कम ज्यादा वेतनमान पाने वाले कर्मचारियों की पेन्शन भी त्रुटि पूर्ण स्वीकृत कर दी गई।जो आज भी कम ज्यादा मिल रही है। बताया जाता है कि सीतापुर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सुविधा लाओ, ज्यादा पाओ के आधार पर वेतनमान फिक्सेशन किया जाता रहा जो फार्म -16 में साफ- साफ दर्शा रहा है फिर भी जिम्मेदारों को नहीं दिख रहा है।

हृदयाघात से उबर कर दीपोत्सव आनन्द मेला में आने पर वरिष्ठ कवि को किया गया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले की तहसील बिसवां क्षेत्र के ग्राम रामा भारी में जन्मे संस्कार भारती के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु हृदयाघात से बचकर पहली बार संस्कार भारती के दीपोत्सव के अवसर पर आयोजित आनंद मेला में पधारे। इस अवसर पर साहित्य सुधा गीतांजलि संस्था द्वारा उन्हें सम्मानित करते हुए उनके दीर्घायु व यशश्वी होने की कामना की गई। संस्था के संस्थापक अरविन्द सिंह मधुप व संस्थाध्यक्ष विजय कुमार रस्तोगी तथा कार्यक्रम अध्यक्ष

दिनेश चंद्र पाण्डेय ने उन्हें माल्यार्पण कर व अंगवस्त्र से सम्मानित किया। कला कुंज भारती के संपादक पद्मकांत शर्मा प्रभात,संस्कार भारती बिसवां इकाई के अध्यक्ष भगवत शरण श्रीवास्तव सचिव घनश्याम शर्मा,वरिष्ठ समाजसेवी रामपाल त्रिपाठी वरिष्ठ कवि कृष्ण मुरारी खरोच,गंगा स्वरुप मिश्र, इं.आर पी वर्मा , अरुण गंवार सहित उपस्थित जनों ने मृदु को शुभकामनाएं दीं।इसी क्रम में वरिष्ठ साहित्यकार संदीप मिश्र सरस का विशेष सम्मान करते हुए लखनऊ से पधारे कवि संतोष कुमार मौर्य व सीतापुर से आये ओज कवि अरुण शर्मा बेधड़क को भी सम्मानित किया गया।मां कालिका देवी मंदिर परिसर में सम्पन्न इस कवि गोष्ठी में डेढ़ दर्जन से अधिक कवियों ने काव्य पाठ किया। अन्त में मां कालिका देवी मंदिर व प्रांगण में दीप जलाकर एक दूसरे को बधाइयां दी गईं।

विशेष ट्रैक सूट में श्रद्धालुओं की मदद को तत्पर रहेंगे ड्राइवर, नाविक व गाइड

ट्रैक सूट पर कुम्भ व पर्यटन विभाग के प्रतीक चिन्ह भी किए जाएंगे अंकित

प्रयागराज, (संवाददाता)। संगमनगरी में महाकुम्भ की तैयारी जोरों पर है। इसके अंतर्गत आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए प्रशासन ने कुछ नई पहल की हैं। खासतौर से कुम्भ मेले में कार्यरत ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालकों को विशेष तरह के ट्रैक सूट पहनाने की योजना बनाई गई है। इससे न केवल इन्हें पहचानना आसान होगा, बल्कि पर्यटकों को इनसे सहायता प्राप्त करने में भी सुविधा होगी। चारों श्रेणियों के लिए विशेष ट्रैक सूट तैयार किए जा रहे हैं। प्रशासन ने यह निर्णय इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया है कि मेले में भीड़-भाड़ के दौरान यात्रियों को आवश्यक सेवाएं सहजता से मिल सकें। ड्राइवरों, नाविकों, गाइडों और ठेला संचालकों के लिए अलग-अलग प्रकार के ट्रैक सूट निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार, हर श्रेणी की अपनी एक विशिष्ट पहचान होगी, जिससे यात्री आसानी से इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। प्रत्येक ट्रैक सूट पर कुम्भ और पर्यटन विभाग का प्रतीक चिन्ह अंकित होगा। यह सम्बंधित व्यक्ति की पहचान को दर्शाएगा। जिससे किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता में पारदर्शिता बनी रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इस नई व्यवस्था से मेले में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और यात्री समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकेगा। महाकुम्भ जैसे विशाल आयोजन में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखना एक चुनौती होती है। ट्रैक सूट योजना का उद्देश्य यात्रियों को सहजता और सुविधा प्रदान करना है। पर्यटन विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल पर्यटकों की सहूलियत में इजाफा होगा, बल्कि उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि महाकुम्भ में ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालकों को ट्रैक सूट प्रदान किए जाएंगे। इन ट्रैक सूट पर पर्यटन और कुम्भ का लोगो भी अंकित होगा।

रेलगांव ट्रॉफी पर फरहत अली क्लब का कब्ज़ा

प्रयागराज, (संवाददाता)। फरहत अली क्लब ने रेलगांव क्रिकेट क्लब को 33 रन से हराकर हैदर अली की स्मृति में आयोजित रेलगांव ट्रॉफी अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्ज़ा जमा लिया। रेलगांव सूबेदारगंज मैदान पर रविवार को खेले गए फाइनल मैच में टॉस जीतकर फरहत अली क्लब ने 23.3 ओवर में 106 रन (हर्षित तिवारी 41, तन्मय केसरवानी 16, दीपक पटेल 3-07, अक्षत मिश्र 3-29) बनाये। जवाब में रेलगांव क्लब की टीम 23.1 ओवर में 70 रन (फ़राज़ हैदर 14, प्रवीण कुमार, मोहम्मद यासिर व नैतिक शुक्ला 11-11, हर्षित तिवारी 4-10, आयुष्मान वर्मा 2-18) पर सिमट गई। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व रवि केसरवानी अंपायर एवं खुर्शीद अहमद स्कोरर रहे। मुख्य अतिथि उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के महासचिव सर्वेश चंद्र द्विवेदी ने दोनों टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि उमरे के वरिष्ठ जन सम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने विशेष पुरस्कार दिए। हर्षित तिवारी को मैन ऑफदि मैच, सुहैब खान को बेस्ट बैटर, अक्षत प्रताप सिंह को बेस्ट बॉलर और सानिध्य श्रीवास्तव को मैन ऑफ दि टूर्नामेंट चुना गया।

समस्या समाधान जिले की सभी तहसीलों में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सातों तहसीलों में शनिवार को अवकाश होने के कारण सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील सिधौली में जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द एवं पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के मौके पर शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ सम्बन्धित अधिकारियों को अन्तरित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से सम्बन्धित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये,जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो।उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण सम्बन्धित अधिकारी मौके पर पहुंच कर गुणवत्ता पूर्ण करें। समाधान दिवस के उपरान्त नगर पंचायत सिधौली में स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अन्तर्गत होम कम्पोस्टिंग किये जाने हेतु गीता भार्गव सदस्य वार्ड-1, बहादुरगंज, सारिका शुक्ला वार्ड-3 नरोत्तमनगर दक्षिणी,पिंकी देवी, वार्ड-1बहादुरगंज तथा पिंकी देवी, वार्ड-6, बाजार को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द एवं पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी सिधौली अनिल रस्तोगी, उपजिलाधिकारी न्यायिक शैलेन्द्र मिश्र,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. हरपाल सिंह,जिला विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र प्रजा पति सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील सिधौली में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल इक्यावन शिकायतों में से सात का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील लहरपुर में प्राप्त सोलह प्रार्थना पत्रों में से दो तहसील मिश्रिख में प्राप्त तीन प्रार्थना पत्रों में से शून्य, तहसील बिसवां में प्राप्त अट्ठाइस प्रार्थना पत्रों में से पांच, तहसील सदर में प्राप्त चार प्रार्थना पत्रों में से एक, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त इक्किस प्रार्थना पत्रों में से पांच,तहसील महोली में प्राप्त चार प्रार्थना-पत्रों में से एक शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष बची हुयीं शिकायतों को पृष्ठांकित कर एक सप्ताह के अन्दर निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये गये।

मेजा हत्या मामले में तीन गिरफ्तार, आलाकत्ल बरामद

प्रयागराज, (संवाददाता)। जनपद के मेजा थाना की पुलिस टीम ने रविवार को तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल बरामद किया है। पुलिस विधिक कार्यवाही कर रही है। मीडिया सेल से मिली जानकारी के अनुसार बीते एक नवम्बर को मेजा के अंतर्गत ग्राम अमिलिया खुर्द मेजा रोड में झाड़ी के अंदर एक 25 वर्षीय व्यक्ति का शव पाया गया था। जिसकी पहचान मन्दीप कुमार यादव पुत्र बनवारी लाल निवासी चन्देलन का पूरा, थाना करछना के रूप में हुई। मृतक के पिता बनवारी लाल ने ०2 नवम्बर को बीएनएस बनाम श्रीमती निमोनकली के पुत्र व अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान अभियुक्त प्रदीप पटेल पुत्र अभयराज पटेल निवासी बारी बजहिया थाना कौंधियारा का नाम आया। जिसे आज प्रवीण पटेल एवं निमोनकली के पुत्र एवं निमोनकली को मेजा रोड से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में तीनों ने हत्या की बात कबूली और आलाकत्ल भी बरामद कराया है।

गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने वकीलों के खिलाफकोर्ट में लाठीचार्ज की एसआईटी से जांच को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

प्रयागराज, (संवाददाता)। गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने गाजियाबाद कोर्ट में वकीलों पर हाल ही में हुए लाठीचार्ज और हिंसा की हाईकोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग करते हुए इलाहबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अधिवक्ता जवाहर यादव के माध्यम से दायर आपराधिक याचिका में भारत के संविधान के अनुच्छेद 215 के तहत शक्तियों का प्रयोग करके जिला मजिस्ट्रेट को कारण बताओ नोटिस जारी करने का भी अनुरोध किया गया है।

याचिका में मांग की गई है कि प्रतिवादियों को वकीलों के खिलाफ दर्ज एफआईआर में बार के सदस्यों के खिलाफकार्रवाई करने से रोका जाए और पुलिस आयुक्त को जिला न्यायाधीश की अदालत और पूरे न्यायालय परिसर के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करने और प्रभावी जांच के लिए इसे एसआईटी को भेजने का निर्देश देना भी शामिल है। गौरतलब है कि लाठीचार्ज की घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें पुलिस अधिकारियों को कोर्ट रूम के अंदर वकीलों को तितर बितर करने के लिए लाठीचार्ज करते देखा जा सकता है। वहीं, वकीलों को कुर्सियां फेंकते हुए भी देखा जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि यह घटना तब हुई जब कुछ बार सदस्य जमानत के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार की अदालत में पहुंचे। पीठासीन अधिकारी ने कथित तौर पर मामले की सुनवाई करने या उसे किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया। याचिका में दावा किया गया है कि इसके बाद वकीलों और जिला जज के बीच बहस शुरू हो गई। जिसके बाद जज भड़क गए और अपनी कुर्सी छोड़कर डायस पर आ गए और वकीलों को गाली देने लगे। इसके बाद उन्होंने पुलिस को बुलाया, जिसने बार के सदस्यों पर बेरहमी से हमला किया और जिला जज के अनुरोध पर कोर्ट परिसर में सीआरपीएफ को तैनात किया गया। याचिका में यह भी कहा गया है कि जिला न्यायाधीश ने पुलिस अधिकारियों को वकीलों पर गोली चलाने का निर्देश देते हुए अपने अधिकार क्षेत्र का पूरी तरह से अतिक्रमण किया तथा जिला न्यायाधीश के पद के लिए ऐसा कृत्य अशोभनीय है। साथ ही यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के भी विपरीत है। याचिका में कहा गया है कि एसआईटी से जांच की मांग का कारण यह है कि बिना किसी उकसावे के वकीलों पर कुर्सियां फेंकने और उन पर हमला करने में पुलिस अधिकारियों का आचरण जांच का विषय है। याचिका में कहा गया है कि चूंकि आरोप प्रथम दृष्टया उच्च पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ जिला न्यायाधीश के अवैध और मनमाने कृत्य की ओर इंगित करता है, इसलिए स्थानीय पुलिस द्वारा की गई कोई भी जांच पक्षपातपूर्ण और एकतरफा होगी। इस मामले पर हाईकोर्ट में इस सप्ताह सुनवाई होने की सम्भावना है।

एमआईसी ने डीएसए बी को हराया

प्रयागराज, (संवाददाता)। एमआईसी ने डीएसए क्लब 'बी' को छह विकेट से हराकर शशि द्विवेदी अंडर-14 बालक एवं बालिका क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। एमआईसी मैदान पर रविवार को खेले गए मैच में डीएसए क्लब बी ने 38.1 ओवर में 123 रन (मोहम्मद ताहा 32, लक्ष्य श्रीवास्तव 17, रेहान खान 3-26, आरुष पाल 2-०5, मोहम्मद शायान 2-21, अंश कुमार 2-38) बनाये। जवाब में एमआईसी ने 27.4 ओवर में 4 विकेट पर 124 रन (मोहम्मद नूह 39, शिवांश गुप्ता 19 नाबाद, मोहम्मद ताहा, मोहम्मद यूसुफ व लक्ष्य श्रीवास्तव एक-एक विकेट) बना लिए। मैच में मोहम्मद आरिफ व अरुण कुमार अंपायर एवं मोहम्मद सैफस्कोरर रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

फतेहपुर, (संवाददाता)। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा पुलिस चौकी के समीप एनएच-2 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 21 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं मासूम सहित दो लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एकारी गांव निवासी राम बहादुर का पुत्र सूरज अपने रिश्तेदार रज्जन का 4 वर्षीय पुत्र छोटू व कुंवारे का 25 वर्षीय पुत्र रवि के साथ बाइक से इसी थाने के उदईसरांय अपनी बुआ के घर गए थे। वापस लौटते समय जैसे ही ये लोग हसवा चौकी के समीप एनएच-2 पर पहुंचे तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे सूरज की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं मासूम सहित रवि घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक के संग जिलाधिकारी ने फीता काट कर यातायात माह का किया शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने सिविल लाइन स्थित महिला थाना सीतापुर के निकट आयोजित कार्यक्रम में यातायात माह नवम्बर 2024 का फीता काटकर शुभारम्भ किया। आम जन मानस को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरुक करने व सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से आयोजित यातायात माह के शुभारम्भ के अवसर पर यातायात जागरुकता हेतु प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बिना हेलमेट के वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किये गये तथा भविष्य में सदैव हेलमेट के प्रयोग हेतु जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर यातायात जागरूकता हेतु पम्पलेट का अनावरण किया गया एवं आमजनमानस में वितरित भी कराया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सभी को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करते हुए वाहन पर सवार सभी व्यक्तियों को सीट बेल्ट व हेलमेट प्रयोग करने एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके हम स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग गति सीमा में वाहन चलायें, जिससे दुर्घटनाओं में कमी हो सके।आगे शीतऋतु में कोहरे के दौरान विशेष सावधानी रखने की अपील करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि कोहरे की स्थिति में वाहनों की गति अत्यन्त कम रखी जाये तथा रिफ्लेक्टर इत्यादि अवश्य लगवाये जायें। नाबालिक बच्चों को कतई वाहन चालने हेतु न दें।जिलाधिकारी ने कहा कि पुलिस द्वारा कार्यवाही सुधार की अपेक्षा के साथ की जाती है इसलिये सभी यातायात नियमों का पालन करें,जिससे कार्यवाही करने की स्थिति ही न आये। जिलाधिकारी ने सभी को जागरूक करते हुये कहा कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों को शीघ्र ही उपचार हेतु भेजने हेतु वहां पर उपस्थित लोग अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं, जिससे समय से उपचार मिलने से घायलों की जान बच सके। ऐसे घायलों का सहयोग करने वालों को सरकार द्वारा चिन्हित कर गुड सेमेरिटन के रूप में प्रोत्साहित करते हुये सम्मानित भी किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ने स्पीड लिमिट बनाये रखने व पुलिस-प्रशासन द्वारा यातायात नियमों के पालन हेतु निरंतर किये जा रहे प्रयासों एवं आग्रह को सुनने के साथ उनके पालन करने का संकल्प लेने हेतु प्रोत्साहित करते हुए आम जनमानस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने की स्थिति में उनके प्रति नियमानुसार कार्यवाही के विषय में बताया।इसी क्रम में समस्त अधिकारियों द्वारा स्वयं के जीवन को खतरे में न डालने व याता यात नियमों का पालन करने की अपील की एवं बिना हेलमेट के मोटर वाहन चला रहे लोगो को रोककर उन्हें हेलमेट प्रदान करते हुए हेल मेट लगाने की अपील की गयी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डा0 प्रवीन रंजन,अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी प्रकाश कुमार,पुलिस क्षेत्राधिकारी अमन सिंह,प्रभारी निरीक्षक यातायात फरीद अहमद व व्यापार मण्डल के पदाधिकारी शोभित टंडन, भगवती गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं के दम पर जीत का कमल खिलेगा: केशव प्रसाद मौर्य

■ जनता नहीं चाहती सपा का गुंडाराज कायम हो: केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी गंगापार के फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2०14 से 2०24 तक भारतीय जनता पार्टी का एक नारा सदैव लगाया जाता रहा है, बूथ जीता तो चुनाव जीता।

छत्रपति शिवाजी डिग्री कालेज सहसो में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बूथ विजय का संकल्प लेकर चुनाव तक कड़ी मेहनत और परिश्रम की पराकाष्ठा की निरन्तर परीक्षा बूथ अध्यक्ष सहित भाजपा के नीति रीति से प्रभावित कार्यकर्ताओं ने 2०14 में 2०24 तक के चुनाव में विजयश्री दिलाकर केन्द्र में मोदी प्रदेश में योगी सरकार बनाने का काम किया है। हमें विश्वास है कि फूलपुर विधानसभा के उपचुनाव में कार्यकर्ता अपने बल पर जीत का कमल खिलाएगे। उन्होंने आगे कहा कि 2०14 व

2०17 के पूर्व वाली सरकार से वर्तमान सरकार की तुलना में अधिक विकास दिख रहा है। 3 करोड़ लोगों को पीएम आवास अब तक मिल चुका है और मोदी जी का फैंसला है कि अब कोई भी व्यक्ति बिना घर के नहीं रहेगा। घर ही नहीं घर के साथ शौचालय भी मिलेगा। घर के साथ आयुष्मान भारत कार्ड पांच लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की भी सुविधा के साथ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत मुफ्त राशन भी उपलब्ध हो रहा है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार से हर घर हर परिवार को सरकार की किसी न किसी योजना का लाभ मिल रहा है। अब डबल इंजन की सरकार की हर घर नल से जल पहुंचाने का तेजी से काम हो रहा है। केशव प्रसाद मौर्य ने आगे कहा कि आज प्रदेश की जनता नहीं चाहती कि फिर से सपा के गुंडाराज का शासन हो। क्योंकि सपा के शासन में गुण्डा, माफिया, दंगाइयों का ही बोलबाला था, जिससे लोग परेशान थें। आज सभी दंगाई, माफिया, गुण्डा या तो सुधर गये या जेल में हैं और इन गुण्डों के आका जेल में या परमात्मा के पास चलें गये। कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं यह चुनाव 2०27 का सेमीफाइनल चुनाव है। लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार से लोगों को अपने माया जाल झूठ के पुलिंदे से तैयार स्लोगन संविधान खतरे में है, हर महिलाओं को महीने में एक हजार खटाखट फटाफट खाते में भेजने के आश्वासन से कुछ सीटें मिली तो गुब्बारे की तरह फूल गये। अब गुब्बारे को फूटने की आवश्यकता है यह काम भाजपा के कार्यकर्ता फिर करने जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि कार्यकर्ता की मेहनत और लगन निष्ठा के बल पर हर बूथ पर अधिक से अधिक कमल खिलेगा यह कार्यकर्ताओं के उत्साह से प्रतीत होता है। कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता के बल पर ही सभी चुनाव जीतते हैं और कार्यकर्ताओं के सम्मान से कोई समझौता नहीं, संगठन का कार्यकर्ता सर्वोपरि है। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि गंगापार जिलाध्यक्ष कविता पटेल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जिले के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों के साथ संघठनात्मक बैठक की। सम्मेलन में राज्य सभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंम्बक त्रिपाठी फूलपुर लोकसभा सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष बी के सिंह, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, हर्षवर्धन वाजपेई, बृजेश त्रिपाठी, फूलपुर उपचुनाव संयोजक अमरनाथ यादव, विधानसभा फूलपुर उपचुनाव प्रभारी रमेश द्विवेदी, प्रत्याशी दीपक पटेल सहित ब्लाक प्रमुख, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य, जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष सहित मण्डल अध्यक्ष समेत मण्डल के सभी बूथ अध्यक्ष व बूथ के सदस्य उपस्थित रहे।

सौंदर्या शर्मा

हाउसफुल 5 में अक्षय सर की हीरोइन बनना सपने जैसा, पहले सिर्फएक ऐड किया था

सौंदर्या शर्मा जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म शहाउसफुल 5श् में नजर आएंगी। सौंदर्या ने अपने करियर की शुरुआत श्रांची डायरीजश् फिल्म से की थी। उन्होंने श्रक्तांचल 2श् और शिबग बॉस 16श् में अपनी जगह बनाई थी। एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा अब बड़े पर्दे पर शहाउसफुल 5श् में सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी सौंदर्या शर्मा ने अपने फिल्मी सफर के बारे में बताया और रिजेक्शन का सामना करने के अनुभव साझा किए सौंदर्या ने बताया कि उन्हें शिबग बॉस 16श् से शहाउसफुल 5श् में एंट्री मिली है, जिसे वह भगवान का भेजा हुआ मौका मानती हैं श्रांची डायरीजश, श्रक्तांचल 2श् और शिबग बॉस 16श् का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा अब बड़े पर्दे पर शहाउसफुल 5श् जैसी बड़ी फिल्म में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। इस सुनहरे मौके को लेकर बेहद उत्साहित सौंदर्या ने हमसे की खास बातचीत की। उन्होंने अपने फिल्मी सफर के बारे में बताया। साथ ही रिजेक्शन पर भी बोलीं।बॉलिवुड में बिना किसी गॉडफादर के अपने दम पर जगह बनाने की कोशिश करने वाले एक उभरते हुए कलाकार के लिए बड़े बजट की फिल्म में बड़े स्टार के साथ काम करना किसी सपने से कम नहीं है, लेकिन डेंटिस्ट की पढ़ाई करके एक्टिंग में हाथ आजमाने वाली एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा ने अपना यह सपना सच कर दिखाया है। वेब सीरीज श्रक्तांचल 2श् और टीवी रिएलिटी शो शिबग बॉस 16श् का हिस्सा रह चुकीं सौंदर्या बहुचर्चित फिल्म हाउसफुल 5 में सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। जाहिर है, इस सुनहरे मौके को लेकर सौंदर्या खुशी से अभिभूत हैं। शिबग बॉसश् ने दिलाई शहाउसफुल 5श् में एंट्री फिल्म रांची डायरीज से एक्टिंग करियर शुरू करने वाली सौंदर्या कहती हैं, श्मेरे जैसे नए एक्टर के लिए इससे बड़ा मौका नहीं हो सकता। यह मेरे लिए अपना टैलंट दिखाने का सुनहरा मौका है, क्योंकि हम आउटसाइडर्स के भीतर एक्टिंग इतनी भरी रहती है कि हम इंतजार ही कर रहे होते हैं कि बस एक मौका मिले तो हम दिखा देंगे। इसलिए, मैं भगवान, अपने पैरंट्स और गॉड सिस्टर वर्दा नाडियाडवाला (निर्माता साजिद नाडियाडवाला की पत्नी) की बहुत शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। उन्होंने मुझे बिग बॉस में देखा था और हाउसफुल 5 के लिए बुलाया। मेरे लिए वह भगवान की भेजी हुई दूत जैसी हैं। मैंने अक्षय कुमार सर के साथ पहले एक ऐड किया था लेकिन उनकी हीरोइन बनना सपना सच होने जैसा है। अक्षय सर कमाल के एक्टर हैं। उनके साथ काम करके बहुत मजा आ रहा है। हमने पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है, जल्द ही दूसरा शेड्यूल शुरू होने वाला है। मैं अपने रोल के बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, पर लोग मुझे इसमें पहचान नहीं पाएंगे। मेरा रोल बहुत ही अलग है।श् मेनस्ट्रीम हीरोइन बनने के लिए कई ऑफर्स ठुकराए बिग बॉस 16 के बाद सौंदर्या किसी दूसरे प्रॉजेक्ट में नजर नहीं आईं? इसकी वजह पूछने पर वह बताती हैं, श्असल में, यहां तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत काम छोड़ा है। रक्तांचल 2 और बिग बॉस के बाद मेरे पास बहुत काम आ रहा था लेकिन मैंने नहीं किए। जबकि, सच कहूं तो मेरे जैसे एक्टर के लिए, जिसे इंडस्ट्री के बारे में कुछ पता नहीं, काम को मना करना आसान नहीं होता। लोगों को लगता है कि इसका दिमाग चढ़ गया, काम आना भी कम हो जाता है। सब लोग मुझे बोलते थे कि तुम पागल हो? बाकी सब ये काम कर ही रहे हैं। लंबे समय में यह मैटर नहीं करेगा। अभी पैसे कमा लो, पर मेरे दिल ने बोला कि आप जो काम करते जाओगे वो हमेशा रह जाएगा। काम करने में कोई बुराई नहीं है लेकिन इंडस्ट्री में आप टाइपकास्ट भी हो जाते हैं तो मुझे वह डर था। मेरी हालत दोधारी तलवार पर चलने जैसी थी। कई बार मैं बहुत परेशान होती थी, रोती थी, क्योंकि कोई समझाने वाला नहीं था, फिर भी मैंने अपने दिल की सुनी। मैंने हमेशा खुद को एक मेनस्ट्रीम हीरोइन के तौर पर देखा है। मैंने इस चीज को मेनिफेस्ट किया है, तो मेरे लिए रास्ता बहुत मुश्किल रहा है, लेकिन भगवान ने मेरी शिद्दत देखी और यह मौका मिल गया।श् बिग बॉस 16' फेम सौंदर्या शर्मा को मिला सबसे बड़ा ऑफर, 'हाउसफुल 5' में बनीं अक्षय कुमार की हीरोइन, बताया डेंटिस्ट होकर क्यों किया पान मसाला का एड बिग बॉस 16 में नजर आ चुकी सौंदर्या शर्मा

को शो से बाहर आते ही कई बड़े ऑफर मिलें, एक्ट्रेस पहले अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन के साथ पान मसाला के एड में नजर आईं और अब वो फिल्म हाउसफुल 5 में लीड एक्ट्रेस बन चुकी हैं। अपनी इस शानदार जर्नी पर एक्ट्रेस ने जनसत्ता की एंटरटेनमेंट एडिटर ज्योति जायसवाल से बात की। हाउसफुल 5 का हिस्सा बनने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, 卐बहुत ज्यादा खुश हूं, इसे ब्लेसिंग की तरह ले रही हूं। बचपन से हाउसफुल की सीरीज देखती आई हूं, इसके गानों पर डांस करती आई हूं और आज मैं इसकी लीडिंग लेडी हूं, मम्मी पापा भी बहुत खुश हैं। मैं इस फिल्म का सरप्राइज पैकेज हूं। बोलने के लिए नहीं बोल रही हूं, जब आप देखेंगे तो समझ जाएंगे। बहुत मजा आ रहा है।卐 एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि इतने बड़े ऑफर को वो किस तरह से देखती हैं तो एक्ट्रेस ने कहा, 卐इन द हिस्ट्री ऑफ बिग बॉस, मुझे नहीं लगता इतना बड़ा ऑफर किसी और को मिला है, हालांकि मैं बिग बॉस ज्यादा फॉलो नहीं करती हूं। एक ए लिस्टर फिल्म में लीड एक्ट्रेस बनना, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट लिमिटेड, मैं तो इसे ब्लेसिंग की तरह लेती हूं, ये एक सपने जैसा है। मैं इसके लिए अपनी गॉड सिस्टर को धन्यवाद देना चाहती हूं, वर्धा नाडियाडवाला कि उन्होंने मुझपर विश्वास दिखाया और मुझे काम दिया। जैसे मैंने एक एड किया, विमल का, शाहरुख सर, अक्षय सर और अजय सर के साथ, उस एड में उन्होंने मुझे देखा, बिग बॉस में देखा, तो क्या होता है आप आउटसाइडर होकर फेमस हो जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि आगे आपको काम मिले। ट्रांसलेट नहीं होती चीजें, तो इसके लिए आपको एक इंसान चाहिए जो आप पर भरोसा करे। मम्मी कहती हैं न कि भगवान किसी भी रूप में आते हैं, पहले मैं सोचती थी ऐसा क्यों बोलते हैं, ऐसा कहां होता है। अब मुझे पता चला कि ये मेटाफर होता है। मैं शुक्रगुजार हूं भगवान की कि मुझे ये मौका मिल रहा है, अक्षय सर के साथ स्क्रीन शेयर करने का।卐 अक्षय कुमार बहुत बड़े प्रैंकस्टर हैं– सौंदर्या शर्मा अक्षय कुमार के साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 卐अक्षय सर एक बहुत बड़े प्रैंकस्टर हैं, मैं तो जूनियर मोस्ट थी ना सेट पर तो हर कोई मुझे ही ट्रोल कर रहा था, मुझे ही बुली कर रहा था। पर इतना कुछ सीखने को भी मिल रहा था। अक्षय सर, रितेश सर, अभिषेक सर सब बहुत मजे ले रहे थे। ये एक तरह से पिकनिक स्पॉट था।卐 हाउसफुल 5 में सौंदर्या से उनके रोल के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा, 卐मैं ज्यादा नहीं बोल सकती, मगर इतना कहूंगी कि आज मेरा वो सपना पूरा हो रहा है और मैं अक्षय सर की हीरोइन हूं। मैं इससे बड़ा क्या मौका मांगती अपने लिए।卐 एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि वो एक डेंटिस्ट हैं उसके बाद भी उन्होंने पान मसाला का एड किया और अक्षय कुमार को इस वजह से काफी ट्रोल्स का सामना भी करना पड़ा था, इन सब चीजों से आपको कोई अफेक्ट पड़ा, जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 卐कुछ अफेक्ट नहीं हुआ, हम एक्टर के तौर पर काम के लिए यहां आए हैं। जो लोग कंज्यूम कर रहे हैं पान मसाला गुटखा, गन प्वाइंट पर तो कोई एक्टर उनसे

करा नहीं रहा, वो तो पहले से ही कर रहे हैं, एक्टर्स एंडोर्स करें या न करें। मेरी चॉइसेज जो एक एक्टर के तौर पर हैं वो अलग हैं, एज अ पर्सन मेरी ओपेनियन अलग हैं। अब आप बताइए ऐसा कोई ऑफर मिलेगा मैं क्यों मना करूंगी? आपको मिलेगा ऐसा कोई ऑफर आप भी मना नहीं करेंगे। तो मैं वो बात क्यों बोलूं? मुझे एक ए` स। प्रपोजल मिला जहां मैं अक्षय सर, अजय सर और शाहरुख सर के साथ स्क्रीन शेयर करूं, जो हमारे देश के मेगा स्टार हैं, मैं क्यों मना करूंगी? मैं निश्चित तौर पर कुछ बड़ा करना चाहती हूं, मेरे लिए त ो गोल्डन

ऑपरच्युनिटी है। कोई पागल ही होगा जो मना करेगा। जब शाहरुख सर सामने हों तो आप सोच भी कैसे सकते हैं, मैं मना कर दूंगी। सपने में भी मैं भागकर जाऊंगी काम करने।卐 सौंदर्या शर्मा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में रोमांटिक ड्रामा 'रांची डायरीज' से की थी। साल 2022 में सौंदर्या ने कलर्स टीवी के शो बिग बॉस 16 में न ज र आई`। जल्द ही वो

अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन की मल्टीस्टारर फिल्म हाउसफुल 5 में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री और बिग बॉस 16 की फेम सौंदर्या शर्मा ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि भले ही उनके पास भरोसा करने के लिए कोई ष्गॉडफादरष् नहीं है, लेकिन उनके पास एक ष्गॉडसिस्टरष् है जिसने उन्हें हर कदम पर सहारा दिया है। अभिनेत्री ने कॉमेडी-ड्रामा हाउसफुल 5 के सेट पर अपने अनुभव के बारे में भी बात की, जिसमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, फरदीन खान, अभिषेक बच्चन और पूजा हेगड़े भी थे। इंडिया टुडे डिजिटल से एक्सक्लूसिव बातचीत में सौंदर्या ने साफ कहा, ष्मेरा कोई गॉडफादर नहीं है, लेकिन इंडस्ट्री में मेरी एक गॉडसिस्टर है और वह वर्धा खान नाडियाडवाला हैं।ष् हाउसफुल 5 में भूमिका हासिल करने के तरीके को साझा करते हुए, रांची डायरीज अभिनेता ने कहा, ष्इसके लिए, मैं अपनी धर्मबहन वर्धा की वास्तव में आभारी हूँ। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं उनकी बहुत आभारी हूँ क्योंकि जब आप बिग बॉस या कोई अन्य चीज करते हैं, जैसे मैंने एक विज्ञापन भी किया है, तो यह जरूरी नहीं है कि यह मुख्यधारा के सिनेमा में काम मिले। जहाँ तक मुझे याद है, किसी भी प्रतियोगी या अभिनेता को तुरंत मुख्य भूमिका नहीं मिली हैय यह बहुत मुश्किल है। समय के साथ, कुछ को मिल सकता है, लेकिन यह दुर्लभ है।ष् बचपन में सौंदर्या हाउसफुल (2010) के गानों पर डांस करती थीं और अब इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर खुश हैं। फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्यह अद्भुत लगता है।ष् उन्होंने कहा कि सेट पर हर कोई ष्गर्मजोशी भरा और अद्भुतष् था और उन्होंने कहा, ष्मैं सेट पर सबसे जूनियर हूं, और हर कोई बहुत स्वागत करने वाला था। यह मेरे लिए दिल को छू लेने वाला अनुभव था।ष् अपने खुशमिजाज और शरारती व्यक्तित्व के लिए मशहूर अक्षय कुमार अक्सर फिल्म सेट की जान रहे हैं। उनके मजाक के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने कहा, ष्हाँ, मैं सभी ट्रोलिंग का सबसे बड़ा लक्ष्य हूँ, और मुझे बहुत ट्रोल किया गया है। यह पहले ही शुरू हो चुका है। मैं यह नहीं कहूँगी कि यह बहुत बुरा है, लेकिन यह निश्चित रूप से मूर्खतापूर्ण है। लेकिन फिर, आप बहुत मजा करते हैं। मुझे लगा कि यह मेरे लिए पिकनिक थी। अक्षय सर बहुत प्यारे हैं।ष् सेट पर मौजूद अन्य लोगों के बारे में बात करते हुए, युवा अभिनेता ने कहा, ष्जैकी बहुत प्यारे हैं। हर कोई बहुत प्यारा है। अभिषेक, मेरे आश्चर्य के लिए, बहुत नासमझ भी है। रितेश सर सबसे प्यारे हैं। नरगिस (फाखरी), सोनम (बाजवा), हर कोई अद्भुत है। मेरे लिए, सबसे बड़ा रहस्योद्घाटन चंकी (पांडे) सर थे। वह दिखने से कहीं ज्यादा गर्मजोशी से भरे हैं। मैं आपको सिर्फयह बताना चाहता हूं कि मैं सरप्राइज पैकेज हूं।ष् हाउसफुल 5 की पेशकश किए जाने पर अपनी पहली प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने खुलासा किया, ष्मैं रो रही थीय मैं कांप रही थी। जब उसने मुझे घर आने और अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा, तो मैं अपना हस्ताक्षर भूल गई। वह एक अच्छी दोस्त है, और निश्चित रूप से, हमने मेरे विज्ञापनों पर चर्चा की थी, और उसने मुझे बिग बॉस में देखा था, और हमने साथ में काम भी किया था। लेकिन उसके लिए मुझ पर विश्वास करना और यह सोचना कि श्ओह, वह फिल्म के लिए एकदम सही है,श् इसके लिए बहुत कुछ चाहिए।ष् सौंदर्या ने इस बड़े अवसर के लिए अपनी

किस्मत को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ष्इस तरह का अवसर आपके जीवन में केवल आशीर्वाद के कारण ही आता है। मैं भाग्य में दृढ़ विश्वास रखती हूं। साथ ही, आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि इसके लिए आपको काफी प्रतिभाशाली होना चाहिए।ष् सौंदर्या शर्मा अक्षय कुमार अभिनीत हाउसफुल 5 में नजर आने वाली हैं। बिग बॉस 16 में अपनी भागीदारी से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री, फिल्म में मुख्य महिला किरदार निभाती नजर आएंगी। हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं और इसका निर्माण साजिद नाडियाडवाला द्वारा छळम् प्रोडक्शंस के तहत किया जा रहा है। हाल ही में, जूम के साथ एक विशेष बातचीत में, सौंदर्या शर्मा ने हाउसफुल 5, फिल्म उद्योग में अपने संघर्ष, बिग बॉस और बहुत कुछ के बारे में खुलकर बात की। अंश 1) हाउसफुल जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर कैसा महसूस हो रहा है? बेशक, मैं दुनिया के शीर्ष पर महसूस कर रहा हूँ। मैं इस अवसर के लिए बहुत रोमांचित और अविश्वसनीय रूप से आभारी हूँ। यह मेरे जैसे नए कलाकार के लिए एक स्वप्निल अवसर है जो खुद को फिर से खोज रहा है और उद्योग में बड़ा नाम बनाना चाहता है। हाँ, यह एक महान और दुर्लभ अवसर है। मैं अपने निर्माता साजिद नाडियाडवाला सर और मेरी श्गॉडसिस्टरश् वर्धा नाडियाडवाला का वास्तव में आभारी हूँ। क्योंकि अगर वह नहीं होती, तो मुझे नहीं लगता कि यह संभव हो पाता। इसलिए, मैं साजिद सर और वर्धा का वास्तव में आभारी हूँ और मुझे यह अवसर देने के लिए। ऐसा होता है कि आपको बिग बॉस और अन्य शो जैसे गेम मिल सकते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह काम में तब्दील हो जाए। मुझे यकीन है कि ऐसे कई लोग हैं जो बिग बॉस से बाहर आए हैं और काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन मैं बहुत आभारी हूँ क्योंकि अक्षय कुमार सर, अभिषेक बच्चन सर और सभी जैसे महान अभिनेताओं के साथ इतने बड़े प्रोजेक्ट में कास्ट होना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत ही सौभाग्यशाली और सम्मानित महसूस कर रहा हूँ और कौन ऐसी विशाल फ्रैंचाइज और इंडस्ट्री के सबसे बड़े प्रोडक्शन में से एक यानी श्नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंटश् का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा? यह एक अभिभूत करने वाला एहसास है, और मैं सातवें आसमान पर हूँ, और मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि मैं अपना 1000ः दूँ। वास्तव में आभारी हूँ कि मेरे निर्देशक, तरुण मनसुखानी ने भी मुझ पर इतना प्रयास किया है ताकि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूँ और अपने किरदार को सबसे ज्यादा जी सकूँ। 2) हमें अपने चरित्र के बारे में बताइये? वैसे, मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा नहीं बता सकता और इसके लिए आपको फिल्म देखनी होगी। साथ ही, मैंने एक एनडीए साइन किया है, इसलिए मैं इस पर चर्चा नहीं कर सकता। लेकिन मैं फिल्म में एक सरप्राइज पैकेज हूँ और यह अविश्वसनीय रूप से अच्छा है और मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि यह मेरा एक ऐसा अवतार है जो पहले कभी नहीं देखा गया। मैं आपको सिर्फ इतना बता सकता हूँ कि यह हाउसफुल के पिछले वर्शन में हमने जो देखा है, उससे बहुत अलग है। लेकिन यह एक बहुत ही अलग और दिलचस्प किरदार है, मुझे कहना होगा। 3) हाउसफुल 5 में कई कलाकार हैं। क्या आप मल्टीस्टारर फिल्म का हिस्सा बनकर घबराए हुए थे, क्योंकि फिल्म में अपना जलवा बिखेरना आपके लिए चुनौतीपूर्ण होगा? नहीं, बिल्कुल नहीं। दबाव सिर्फअपना काम करने और अपना 100ः देने का है। इतने सारे सीनियर एक्टर्स हैं और इतने बड़े प्रोडक्शन हाउस की इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। किरदार को अपना 1000ः देना और उसके प्रति सच्चे रहना जरूरी है। यह एक बात है। ऐसा कहने के बाद, हर किरदार ऐसा होता है कि वह अपने आप में दूसरों से बेहतर होता है और निश्चित रूप से, मुझे दूसरों से बेहतर बनना है क्योंकि मेरा किरदार ऐसा ही है। मुझे नहीं लगता कि कोई किसी की जगह ले सकता है। पूरी स्टारकास्ट– अक्षय सर, अभिषेक सर, रितेश सर, जैकलीन, नरगिस, आदि सभी बहुत प्यारे और स्वागत करने वाले थे, और एक मिनट के लिए भी मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं एक नया कलाकार हूँ। मेरे लिए यह क्रूज और लंदन में पिकनिक से ज्यादा कुछ नहीं था। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मेरे दिमाग में कभी ऐसा आया हो। मैं इसे एक बेहतरीन अवसर के रूप में देखता हूँ।

इस अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में सिर्फ दो साल काम किया और ये सुपरस्टार बन गई थीं. फिर इस एक्ट्रेस ने अचानक इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया. चलिए यहां जानते हैं ये एक्ट्रेस कौन हैं? बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस ने स्टारडम हासिल करने के बावजूद शादी या फिर दूसरी वजहों से फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी. आज हम यहां आपको ऐसी ही अभिनेत्री के बारें में बताएंगें जो महज दो फिल्मों से सुपरस्टार बन गई थीं. उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर 2900 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की लेकिन फिर अचानक इन्होंने ग्लैमर इंडस्ट्री को छोड़ने का ऐलान कर हर किसी को हैरान कर दिया था. हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं उन्होंने आमिर खान, फरहान अख्तर और प्रियंका चोपड़ा जैसे सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की थी . हालांकि इस अभिनेत्री ने फिर अपने धर्म का पालन करने के लिए इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया. ये कोई और नहीं दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार फेम जायरा वसीम हैं. जम्मू-कश्मीर में एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार में जन्मी जायरा वसीम ने सिर्फ 15 साल की उम्र में अपनी पहली फिल्म नितेश तिवारी की दंगल साइन की थी. अभिनेत्री ने फिल्म में आमिर खान की बेटी, यंग गीता फोगट की भूमिका निभाई थी. फिल्म में जायरा की परफॉर्मेंस की दर्शकों और क्रिटिक्स ने काफी तारीफकी है.ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 2000 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सुपर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. जायरा ने सीक्रेट सुपरस्टार के लिए एक बार फिर आमिर खान के साथ काम किया था. फिल्म में सुपरस्टार का कैमियो था. महिला प्रधान इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की और दुनिया भर में 912 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इस फिल्म ने जायरा को बॉलीवुड की सुपरस्टार बना दिया था. उन्होंने दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट जैसी टॉप एक्ट्रेसेस को पछाड़ते हुए सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला प्रधान फिल्म दी थी. इसके बाद जायरा वसीम ने द स्काई इज पिंक में प्रियंका चोपड़ा और फरहान अख्तर की बेटी का रोल प्ले किया था. भले ही फिल्म असफल रही, लेकिन उनकी एक्टिंग को फैंस ने काफी पसंद किया था. हालांकि, ये कोई नहीं जानता था कि यह जायरा की आखिरी फिल्म होगी. इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस ने पलक झपकते ही फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी थी. 18 साल की उम्र में जायरा ने अपने धर्म की राह पर चलने के लिए फिल्में छोड़ने का फैसला किया था. अब जायरा वसीम ग्लैमर इंडस्ट्री से दूर हो चुकी हैं और धर्म की राह पर चल रही हैं. जायरा वसीम ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर होने के बाद सोशल मीडिया से अपनी फोटोज भी हटा ली थी. उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर बस उनकी एक तस्वीर है उसमें भी वे बुर्का पहने हुए हैं और उनका चेहरा नजर नहीं आ रहा है.

वरुण धवन ने हाल ही में बड़े बजट की एक्शन फिल्मों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वह अभी इंडस्ट्री में उस लेवल तक नहीं पहुंचे, जहां बड़े बजट की एक्शन फिल्मों से होने वाली कमाई को सही ठहराया जा सके। कुछ प्रोड्यूसर ऐसे हैं, जिनकी फिल्मों के लिए ज्यादा बॉक्स ऑफिस रिटर्न की जरूरत होती है। इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में वरुण धवन से पूछा गया कि बड़े बजट की एक्शन फिल्मों को लेकर उन्हें खुद पर सेल्फ डाउट होता है? इस पर वरुण ने कहा, 'मुझे पता है कि अभी में किस पोजीशन में हूं। हां मैं एक्शन फिल्म कर सकता हूं। बहुत सारी एक्शन फिल्में की हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अभी में उस लेवल पर नहीं पहुंचा हूं, जहां बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिटर्न दे सकूं।' वरुण धवन ने कहा, 'मेरे लिए अभी मिड लेवल की एक्शन फिल्म अच्छी हो सकती है, क्योंकि मिड बजट फिल्में भी अच्छा प्रभाव डालती हैं।' वरुण धवन ने आदित्य चोपड़ा के साथ एक खास बातचीत का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बताया कि सफल बड़े बजट की फिल्मों के लिए क्या जरूरी होता है। वरुण ने कहा कि एक्शन फिल्मों, खासकर जिनका बजट बहुत ज्यादा होता है। उनके लिए बड़ा पैसा और अच्छा काम जरूरी है। आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि आप अपने ऑडियंस को निराश नहीं कर सकते। वरुण धवन की मानें तो इस समय उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उतनी कमाई नहीं कर रही है, जो एक बड़े बजट की फिल्मों के लिए जरूरी है। खासकर इंडस्ट्री के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ लखनऊ से प्रकाशित मंगलवार, 05 नवम्बर, 2024

सरफराज खान को नंबर 8 पर भेजने पर भड़के फैंस, टीम मैनेजमेंट को बताया गलत

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर और क्रिकेट फैंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफतीसरे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान को नंबर 8 पर बल्लेबाजी कराने के भारत के फैसले की आलोचना की। टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा के बाद 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सरफराज डक आउट हो गए।

न्यूजीलैंड के खिलाफएक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों की कमियां उजागर हुई हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर और क्रिकेट फैंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफतीसरे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान को नंबर 8 पर बल्लेबाजी कराने के भारत के फैसले की आलोचना की। टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा के बाद 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सरफराज डक आउट हो गए। सरफराज खान को बल्लेबाजी क्रम में इसलिए पीछे रखा गया क्योंकि भारत ने पहले दिन अंतिम सत्र में नाइटवॉचमैन के रूप में सिराज को भेजा था। शुभमन गिल और ऋषभ पंत के बीच 96 रनों की साझेदारी के बाद मुंबई के इस बल्लेबाज के नंबर 7 पर आने की उम्मीद थी, लेकिन भारत ने दाएं-बाएं संयोजन को बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा को भेजा। पहली पारी में सरफराज खान केवल चार गेंदों पर ही खेल पाए और एजाज पटेल की गेंद पर आउट हो गए। ये गेंद पिच पर गिरने के बाद तेजी से उछली और घूम गई। संजय मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया कि भारत ने सरफराज को क्यों रोका, जो शानदार फॉर्म में हैं। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफबेंगलुरु में पहले टेस्ट में दूसरी पारी में शानदार पारी खेलते हुए 150 रन बनाए थे।

गंभीर की कोचिंग में 10 अनचाहे रिकॉर्ड बना चुकी टीम इंडिया, पांच महीने के अंदर हुए क्लीन स्वीप

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद रोहित शर्मा और गंभीर की जोड़ी की तारीफ करने वाले कई लोगों ने अब उनकी आलोचना करना शुरू दिया है। इस हार ने भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए एक वेक-अप कॉल के रूप में काम किया है। भारतीय टीम ने इस साल जून में टी20 विश्व कप जीता था। हालांकि, इस टूर्नामेंट को जीतने के बाद से टीम इंडिया की स्थिति कुछ खास नहीं रही है। फैंस को जून में जश्न मनाने का मौका मिला था, लेकिन इसके बाद से फैंस टीम इंडिया के प्रदर्शन कुछ खास खुश नहीं हैं। टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की जीत के बाद राहुल द्रविड़ के कार्यकाल का अंत हुआ था और गौतम गंभीर ने मुख्य कोच के रूप में कदम रखा था। ऐसा माना जा रहा था कि वह अपने साथ एक नया दृष्टिकोण लाएंगे और भारतीय टीम और ज्यादा आक्रामक होकर खेलेगी। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ उनकी सफलता के बाद गंभीर की नियुक्ति ने फैंस के मन में उम्मीदें जगाई थी। हालांकि, जुलाई में गंभीर के पद संभालने से लेकर अब तक भारत ने उनके मार्गदर्शन में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। इसके उलट टीम इंडिया ने कुछ ऐसे अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए, जिसकी उम्मीद किसी ने नहीं की होगी।

गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया ने एक टी20 सीरीज, एक वनडे सीरीज और दो टेस्ट सीरीज खेली है, जिसमें मिश्रित परिणाम मिले हैं। गंभीर ने टी20 में अपने 100 प्रतिशत जीत के रिकॉर्ड को बनाए रखा है, लेकिन उनकी कोचिंग में टीम इंडिया अभी भी अपनी पहली वनडे सीरीज जीत की तलाश में है। वहीं, टेस्ट में अपने से कमजोर टीम से सीरीज जीतने के बाद बराबरी की टीम से टक्कर में टीम इंडिया को मुंह की खानी पड़ी। भारत को न्यूजीलैंड से 0-3 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। तारीफ करने वाले अब कर रहे गंभीर-रोहित की आलोचना बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद रोहित शर्मा और गंभीर की जोड़ी की तारीफ करने वाले कई लोगों ने अब उनकी आलोचना करना शुरू दिया है। इस हार ने भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए एक वेक-अप कॉल के रूप में काम किया है। परिस्थितियों की परवाह किए बिना अपने गेम प्लान पर टिके रहने में गंभीर के दृढ़ विश्वास ने भारतीय क्रिकेट समुदाय में कुछ लोगों को हैरान कर दिया है। अपने घर में शेर मानी जाने वाली टीम इंडिया को उसके घर में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा और टीम इंडिया के प्रदर्शन में इस गिरावट ने फैंस को निराश कर दिया है। गंभीर ने बीसीसीआई के सामने रखी थी कुछ मांगें न्यूजीलैंड से हार से पहले टीम इंडिया ने अपने घर में लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीती थीं, जबकि अपने घर में तीन या इससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया को पहली बार क्लीन स्वीप होना पड़ा है। गंभीर की परेशानी बढ़ना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कोच नियुक्त होने से पहले उन्होंने बीसीसीआई के सामने कुछ मांग रखी थी। इनमें अपना कोचिंग स्टाफखुद चुनना और टीम में जरूरी बदलाव शामिल थे। गंभीर के कहने पर ही अभिषेक नायर और रेयान टेन डेशकाटे के रूप में दो असिस्टेंट कोच नियुक्त किए गए थे। वहीं, जहीर खान पर मोर्ने मोर्कल को तरजीह देकर उन्हें गेंदबाजी कोच बनाया गया था। गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया का रिकॉर्ड गंभीर की देखरेख में भारत ने चार सीरीज में दो जीते हैं, जबकि दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। कुल 11 मैच में से टीम इंडिया ने पांच जीते और पांच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। एक मैच टाई रहा है। इन 11 मैचों में पांच टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल हैं। पांच टेस्ट में से भारत ने दो जीते और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया ने तीनों टी20 मैच जीते हैं, जबकि वनडे में तीन में से दो मैच गंवाए और एक मुकाबला टाई रहा। आइए जानते हैं गंभीर की कोचिंग में भारत ने कौन-कौन से अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं... पहले जानते हैं भारत ने उनकी देखरेख में कौन-कौन सी सीरीज खेली है... सीरीज कितने मैच विजेता नतीजा भारत अे श्रीलंका (वनडे) 3 श्रीलंका 0-2 भारत अे बांग्लादेश (टेस्ट) 2 भारत 2-0 भारत अे बांग्लादेश (टी20) 3 भारत 3-0 भारत अे न्यूजीलैंड (टेस्ट) 3 न्यूजीलैंड 0-3 1. 27 साल बाद श्रीलंका से वनडे सीरीज हारा भारत गंभीर का कार्यकाल जुलाई में शुरू हुआ था।

मुंबई में सिराज ने छह ओवर गेंदबाजी की...अश्विन रहे बेअसर, टीम इंडिया के क्लीन स्वीप होने के छह कारण

नई दिल्ली। महान बल्लेबाजों की श्रेणी में आने वाले विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा तो सीरीज में 100 रन भी नहीं बना पाए। सीरीज में 244 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। आइए जानते हैं कि इस सीरीज में भारत की हार के प्रमुख कारण क्या-क्या रहे... स्पिन गेंदबाजी के शेर कहे जाने वाले भारतीय दिग्गज बल्लेबाज न्यूजीलैंड के स्पिनरों के आगे ऐसे ढेर हुए कि 3-0 से सीरीज सफाए का शर्मनाक इतिहास रचवा बैठे। वानखेड़े की जबरदस्त रूप से स्पिन हो रही पिच पर भारतीय बल्लेबाज रविवार को 147 रन के लक्ष्य को नहीं छू पाए। टीम 29.1 ओवर में महज 121 रन पर सिमट गई और 25 रन से तीसरा टेस्ट गंवा बैठी। भारतीय टीम 24 वर्ष बाद घर में सीरीज के सभी टेस्ट हारी है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भारत से वर्ष 2000 में दो टेस्ट मैच की सीरीज 2-0 से जीती थी। यह 91 वर्ष में पहली बार है जब भारतीय टीम का अपने घर में सीरीज में 3-0 से सफाया हुआ है। भारत ने अपनी धरती पर 1933 में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी। भारतीय दिग्गज बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के ऐसे स्पिनरों के आगे समर्पण किया, जिन्होंने अब तक टेस्ट क्रिकेट में सौ विकेट का आंकड़ा भी नहीं छुआ है। तीन वर्ष पूर्व वानखेड़े में एक पारी में 10 विकेट लेकर मैच में कुल 14 विकेट लेने वाले एजाज पटेल एक बार फिर यहां की पिच पर भारतीयों के लिए मुसीबत बने। उन्होंने 57 रन पर छह विकेट लेकर एक बार फिर मैच में 11 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। 57 गेंद में 64 रन बनाने वाले ऋषभ पंत को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं कर पाया। महान बल्लेबाजों की श्रेणी में आने वाले विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा तो सीरीज में 100 रन भी नहीं बना पाए। सीरीज में 244 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग प्लेयर ऑफद सीरीज चुने गए। आइए जानते हैं कि इस सीरीज में भारत की हार के प्रमुख कारण क्या-क्या रहे... 1. रोहित का गलत फैसला रोहित शर्मा की ओर से ओवरकास्ट कंडीशन में बंगलूरू टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के फैसले ने पूरी सीरीज की दिशा बदल दी। भारत को 46 रन पर समेटने के बाद न्यूजीलैंड मनोवैज्ञानिक रूप से हावी हो गया। उसके बाद तो टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीम इतनी आत्मविश्वास में दिखी कि उन्हें केन विलियम्सन तक की कमी नहीं हुई। विल यंग ने विलियम्सन की भरपाई की, तो जरूरत पड़ने पर पुछल्ले बल्लेबाजों ने भी रन जोड़े। भारतीय तेज गेंदबाज हों या स्पिनर्स, वह कीवी बल्लेबाजों के आगे बेअसर दिखे। वहीं, गेंदबाजी में कीवियों ने सूझबूझ वाला खेल दिखाया। वह लाइन लेंथ से नहीं भटके और हर भारतीय बल्लेबाज के लिए बनाए गए प्लान पर अमल किया। 2. स्पिन पिच का दांव पड़ा उल्टा बंगलूरू की हार के बाद प्रबंधन ने पुणे और मुंबई में स्पिन पिच का दांव चला जो उल्टा पड़ा। 147 का लक्ष्य छोटा जरूर दिख रहा था, लेकिन पिच की स्थिति देखते हुए आसान नहीं था। हुआ भी यही, रोहित शर्मा अपनी आक्रामक रणनीति पर कायम रहे और फिर निराश किया। वह 11 गेंद में 11 रन बनाकर हेनरी की गेंद पर आउट हुआ। भारत का स्कोर इस दौरान 13 रन था। यहां से एजाज पटेल और फिलिप्स की स्पिन ने ऐसा कमाल किया कि भारत ने 16 रन के अंतराल में पांच विकेट खो दिए। शून्य पर 13 से स्कोर पांच विकेट पर 29 रन हो गया। शुभमन (1), विराट (1), यशस्वी (5), सरफराज (1) तू चल मैं आया वाली श्रेणी में शामिल हो गए।

बेन स्टोक्स आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में नहीं लेंगे हिस्सा, यहां जानें बड़ा कारण

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में हिस्सा ना लेने की संभावना जताई जा रही है। वह टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करने के चलते आईपीएल 2025 से बाहर रह सकते हैं। उन्होंने एशेज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आईपीएल 2024 ऑक्शन में नाम नहीं दिया था। स्टार ऑलराउंडर स्टोक्स ने आखिरी आईपीएल मैच 2023 में खेला था। उन्होंने चेन्नई के लिए दो मैच खेले थे। द टेलीग्राफ कि रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोक्स के आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में नाम नहीं देने का मतलब है कि वह व्हाइट-बॉल क्रिकेट पर पूरी तरह से फोकस करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 वर्ल्ड कप में खेला था। हालांकि, 33 वर्षीय ऑलराउंडर वनडे क्रिकेटर से रिटायर होने के बाद वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लौटा। उन्होंने फिर से वनडे खेलने के संकेत दिए हैं। स्टोक्स का 2025 में काफी व्यस्त शेड्यूल है। इंग्लैंड को वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025-27 चक्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू और विदेश में टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। एक ऑलराउंर के रूप में स्टोक्स के लिए वर्कलोड मैनेज करना बहुत जरूरी है। उन्होंने हाल ही में चोट के बाद वापसी की है। फिलहाल आईपीएल मेगा ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख रविवार 3 नवंबर है। स्टोक्स के ऑक्शन से हटने की एक वजह बीसीसीआई का विदेशी खिलाड़ियों के लिए विशेष नियम भी माना जा रहा है। दरअसल, कई बार इंग्लिश और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी थकान और अन्य प्राथमिकताओं का हवाला देते हुए आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद अपनी फ्रेंचाईजी को छोड़ देते हैं। बोर्ड अब नीलामी में चुने जाने के बाद हटने वाले किसी भी खिलाड़ी पर दो साल का बैन लगा सकता है। स्टोक्स ने 2017 में आईपीएल डेब्यू किया था।

पृथ्वी शॉ जैसा होगा हाल... ऑस्ट्रेलियाई कोच नील डीकोस्टा ने इस खिलाड़ियों को लेकर सिलेक्टर्स को चेताया

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी कोच नील डीकोस्टा ने भारत के पृथ्वी शॉ का उदाहरण देकर ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं से आग्रह किया है कि वह 19 वर्षीय बल्लेबाज सैम कोनस्टास को भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज के लिए टीम में शामिल करने में जल्दबाजी न करें। दरअसल, डीकोस्टा का मानना है कि कोनस्टास अभी पांच दिवसीय प्रारूप के लिए तैयार नहीं है। ये युवा बल्लेबाज भारत के खिलाफसीरीज में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करने के दावेदारों में शामिल है। डीकोस्टा अतीत में माइकल क्लार्क और दिवंगत फिलिप ह्यूज को ट्रेनिग दे चुके हैं। वह सैम कोनस्टास को भी बल्लेबाजी के गुर सिखा चुके हैं। डीकोस्टा ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा कि, वह 100 टेस्ट खेल सकता है लेकिन अगर अभी उसे राष्ट्रीय टीम में चुना जाता है तो वह 10 टेस्ट तक ही सीमित रह सकता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसमें काफी क्षमता है लेकिन अभी उसे घरेलू क्रिकेट में खेलने देना चाहिए। डीकोस्टा ने कहा कि, उसका अभी टीम में चयन करना हास्यास्पद होगा। हमारे सामने पृथ्वी शॉ का उदाहरण है। टीम में उनके चयन से पहले मैं उनकी कमजोरी बता सकता था। शॉ ने 2018 में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने आखिरी टेस्ट 2020 में खेला। शॉ ने जुलाई 2021 से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला।

पोंटिंग और हीली ने मैकस्वीनी को टेस्ट टीम में चुनने की वकालत की

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रिकी पोंटिंग और इयान हीली ने भारत के खिलाफ22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में सलामी बल्लेबाज के खाली पड़े एक स्थान के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के कप्तान नाथन मैकस्वीनी का चयन करने की वकालत की है। डेविड वार्नर के इस साल की शुरुआत में संन्यास लेने और स्टीव स्मिथ के अपने पसंदीदा चौथे नंबर पर लौटने के बाद ऑस्ट्रेलिया को उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए एक सलामी बल्लेबाज की तलाश है। मैकस्वीनी, सैम कोनस्टास, कैमरून बैनक्रॉफ्ट और मार्कस हैरिस जैसे खिलाड़ी इस रिक्त स्थान को भरने के दावेदारों में शामिल हैं। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू शो' में कहा, मेरे हिसाब से इस स्थान को भरने का एकमात्र दावेदार नाथन मैकस्वीनी है, जो क्वींसलैंड में जन्मे हैं और अब दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की तरफसे भी अच्छा प्रदर्शन किया है।'' हीली ने एसईएन रेडियो से कहा, ''मुझे खुशी है कि लोगों ने देखा कि नाथन मैकस्वीनी किस तरह से अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूं क्योंकि वह मेरे क्लब से जुड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता भी उसके बारे में जानते हैं क्योंकि उसने हाल ही में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वह चारों दावेदारों में सबसे अधिक तैयार नजर आता है।

भारतीय प्रशंसकों को चौंपियंस ट्रॉफी के लिए शीघ्र वीजा जारी करने का आश्वासन दिया

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और केंद्र सरकार में मंत्री मोहसिन नकवी ने अगले साल होने वाली आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए उनके देश आने के इच्छुक भारतीय प्रशंसकों के लिए त्वरित वीजा जारी करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने अमेरिका के सिख तीर्थयात्रियों के एक समूह के साथ बैठक के दौरान यह आश्वासन दिया। नकवी ने कहा कि पीसीबी को उम्मीद है कि चौंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में भारत के क्रिकेट प्रेमी पाकिस्तान के दौरे पर आएंगे। वह चाहते हैं कि भारतीय प्रशंसक पाकिस्तान आकर लाहौर में इन दोनों देशों के बीच होने वाले मैच को देखें। एक अखबार ने नकवी के हवाले से कहा, ''हम भारतीय प्रशंसकों के लिए टिकटों का एक विशेष कोटा रखेंगे और हम जल्द से जल्द वीजा जारी करने के लिए उपयुक्त कदम उठाएंगे।'' पाकिस्तान अगले साल फरवरी मार्च में चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अब तक इसका कार्यक्रम जारी नहीं किया है क्योंकि वह इस बात की पुष्टि चाहता है कि भारत सरकार इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देगी या नहीं।

जेएसडब्ल्यू-पोस्को ओडिशा के क्योंझर में अत्याधुनिक इस्पात संयंत्र लगाएंगी: मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह और दक्षिण कोरियाई इस्पात कंपनी पोस्को का संयुक्त उद्यम उनके गृह जिले क्योंझर में एक अत्याधुनिक इस्पात संयंत्र स्थापित करेगा। जेएसडब्ल्यू-पोस्को संयुक्त उद्यम के संयंत्र के लिए स्थान के चुनाव को लेकर देश भर में चल रही अटकलों के बीच माझी ने यह जानकारी दी। दिवाली मनाने के लिए क्योंझर की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे माझी ने संवाददाताओं से कहा, आगामी मेक-इन ओडिशा सम्मेलन को लेकर दिल्ली और मुंबई में आयोजित हमारे कार्यक्रम के दौरान मैंने क्योंझर जिले में एक इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए जेएसडब्ल्यू और पोस्को दोनों के साथ चर्चा की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, इस बीच, दोनों कंपनियों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वे इस काम को संयुक्त रूप से पूरा करेंगे। उन्होंने क्योंझर जिले में भी ऐसा करने की बात कही है। इसकी प्रक्रिया जारी है और ओडिशा को एक और इस्पात संयंत्र मिलेगा।

शुभमन गिल ने किया कमाल, शतक से चूके फिर भी बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

मुंबई टेस्ट में शुभमन गिल ने भारत की पहली पारी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 90 रन की पारी खेली लेकिन शतक से चूक गए। उन्होंने बावजूद इसके एक खास मुकाम अपने नाम किया है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों का बेहद खराब प्रदर्शन, न्यूजीलैंड के खिलाफपांचों पारियों में रही विफल

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की पांच पारियों में

भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। लगातार पारियों में भारतीय बल्लेबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए हैं। बेंगलुरु टेस्ट में 46 रन पर ढेर होने के बाद भारतीय टीम ने हर पारी में गुच्छों में विकेट गंवाए हैं। इस सीरीज में भारत का कोई भी बल्लेबाज 200 से ज्यादा रन नहीं बना सका है, जबकि कीवी टीम के तीन बल्लेबाजों ने 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की शुरुआत में भारतीय टीम सिर्फ 46 पर ढेर हो गई थी। इसके बाद दूसरी पारी में टीम ने 462 रन बनाए लेकिन यहां भी मजबूत स्थिति में होने के बाद बावजूद बल्लेबाजों ने निराश किया। भारत ने एक समय तीन विकेट पर 408 रन बनाए थे। लेकिन अगले सात विकेट सिर्फ 54 रन पर गंवा दिए। पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी बल्लेबाजों का यही हाल रहा। दूसरे मैच की पहली पारी में भारत ने 50 के स्कोर तक सिर्फ एक विकेट गंवाए थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।